हिन्दी

प्रश्न- बैंक 2022-23

CLASS - 10

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् उदयपुर
एवं
राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् जयपुर

कोरोना से बचाव के उपाय

हाथ धोने के पाँच आसान चरण

1

सबसे पहले होता है हाथ गीला,
फिर हाथ पर लगे साबुन रंगीला

2

हाथ से होता फिर हाथ का साथ,
फिर घूम के आगे पीछे खेले हाथ,

3

खेलो तब उंगलियों
में घुमकर

4

फिर चलाओ नाखूनों में घुमकर

5

हाथ करें फिर पानी में छप-छप,
क्योंकि साफ हाथ में ही है दम

सावधानी हेतु सुझाव

1. साबुन से 20 सेकंड तक हाथ नियमित अंतराल पर धोएँ।
2. मास्क का उपयोग करें।
3. सामाजिक दूरी बनाये रखें।
4. अनावश्यक एवं बार-बार घर से बाहर जाने से बचें।
5. सर्दी-खाँसी या हल्का बुखार होने पर नजदीकी चिकित्सा केन्द्र में डॉक्टर को दिखावें।

मुख्य संरक्षक

माननीय श्री बी.डी. कल्ला
शिक्षा मंत्री,
प्रारम्भिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग
राजस्थान सरकार, जयपुर

माननीया श्रीमती जाहिदा खान
राज्य मंत्री,
प्रारम्भिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग,
राजस्थान सरकार, जयपुर

संरक्षक

श्रीमती अपर्णा अरोड़ा (I.A.S.)
अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा,
राजस्थान सरकार, जयपुर

डॉ. मोहन लाल यादव (I.A.S.)
राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त,
राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर

श्री गौरव अग्रवाल (I.A.S.)
निदेशक, माध्यमिक एवं प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय
बीकानेर, राजस्थान

मुख्य मार्गदर्शक

श्रीमती कविता पाठक (R.A.S.)
निदेशक, राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

मार्गदर्शक

डॉ. अनिल कुमार (R.A.S.)
अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक,
राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर

श्री शिवजी गौड़
अतिरिक्त निदेशक
राराशैअप्रप, उदयपुर

डॉ. मोटाराम भादू
उपनिदेशक
राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्
जयपुर

श्रीमती मनीषा उज्वल
एसो. प्रोफेसर
राराशैअप्रप, उदयपुर

प्रभारी अधिकारी

श्री बन्ना राम रैगर
असि. प्रोफेसर
राराशैअप्रप, उदयपुर

श्रीमती योगिता शर्मा
सहायक निदेशक
राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर

श्रीमती अनामिका चौधरी
असि. प्रोफेसर
राराशैअप्रप, उदयपुर

"आमुख"

कोविड–19 की वैश्विक महामारी का प्रभाव समूची मानव जाति पर पड़ा है। बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षार्थी भी कोविड के दुष्प्रभाव से अछूते नहीं हैं। तीसरी लहर के कारण विद्यालय की नियमित कक्षाएँ भी बाधित हुई हैं। अतः स्वाध्याय या ऑनलाइन शिक्षण के कारण विषयगत अनेक समस्याओं का शिक्षकों के साथ प्रत्यक्षतः समाधान भी नहीं कर पाए हैं। इस कारण विद्यार्थियों का अधिगम अन्तराल बहुत बढ़ना संभावित है।

अधिगम अन्तराल को कम करने के उद्देश्य से राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् उदयपुर के प्रयासों से बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षार्थियों हेतु प्रश्न बैंक एवं मॉडल प्रश्न पत्र तैयार करवाए गए हैं। विषय के दक्ष शिक्षकों द्वारा उक्त कार्य करवाया गया है।

प्रश्न बैंक में पाठवार संक्षिप्तिकृत पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ, अतिलघूउत्तरात्मक, लघूउत्तरात्मक, निबन्धात्मक प्रश्नों को तैयार कर संकलित करवाया गया है। आशा है कि परीक्षार्थियों के लिए यह सामग्री उपयोगी एवं हितसाधक होगी। कक्षा 10 के विद्यार्थी संकलित प्रश्नों की प्रकृति एवं स्वरूप से अवगत होकर लाभान्वित हो सकेंगे, ऐसा विश्वास है।

निदेशक
श्रीमती कविता पाठक (RAS)
राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

अनुक्रमणिका

विषय सूची	पृष्ठ संख्या
मॉडल प्रश्न पत्र– 1	6–14
मॉडल प्रश्न पत्र– 2	15–23
मॉडल प्रश्न पत्र– 3	24–32
क्षितिज (गद्यांश, पंद्याश)	33–45
व्यावहारिक व्याकरण	45–55
गंद्याश	56–66
क्षैतिज–रचनाकार का परिचय	67
निबन्धात्मक प्रश्न क्षितिज–कृतिका	68–96
विज्ञापन	97

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

मॉडल प्रश्न पत्र संख्या– 1

कक्षा–10 हिन्दी

खण्ड 'अ'

प्र. 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

कबीर जन्मजात प्रतिभाशाली व्यक्ति थे। सिद्ध पुरुष के रूप में उनकी ख्याति शीघ्र फैल गई। वे जहाँ भी जाते, वहीं अनेक लोग उनके शिष्य हो जाते। हिन्दू–मुस्लिम दोनों धर्मों के लोग उनके शिष्य थे। उन्होंने समानता की दृष्टि रखकर बाह्याडम्बरों और रूढ़ियों का खण्डन किया। इसके परिणाम स्वरूप हिन्दू और मुसलमान दोनों ही जातियों के लोग उनके विरोधी हो गये। कहते हैं जिस समय सिकन्दर लोदी काशी आया तो मुल्लाओं और पण्डितों ने उससे कबीर की शिकायत की। इस पर सिकन्दर लोदी ने कबीर को सिपाही द्वारा बुलावा भेजा। सवेरे को बुलाए हुए कबीर शाम को पहुँचे। इनको देखकर बादशाह आग बबुला हो गया और उनसे पूछा कि इतनी देर से क्यों आए हो। कबीर ने कहा कि मुझे एक अद्भूत आश्चर्य दिखाई दिया, जिसे आप भी देखते तो देखते ही रह जाते। उसने पूछा कि वह आश्चर्य क्या है? कबीर ने उत्तर दिया कि मैंने देखा कि सुई के छेद से हाथी, घोड़े, ऊँट, पर्वत सब निकलते चले जा रहे हैं। बादशाह स्वयं उस दृश्य को देखने के लिए तैयार हुआ। कबीर ने बताया कि वह दृश्य आप नहीं देख सकते। आपकी आँख की पुतली सुई के छेद के बराबर है परन्तु उससे आप हाथी, घोड़े, ऊँट, वन, पर्वत सभी देख लेते हैं, सब उसमें समा जाते हैं। क्या यह आश्चर्य की बात नहीं? कहते हैं कि कबीर की बातों से सिकन्दर लोदी बहुत प्रभावित हुआ और उनको प्रणाम करके छोड़ दिया।

1. कबीर के बारे में असत्य कथन है–

(अ) कबीर ने रूढ़ियों का खण्डन किया (ब) वे आडम्बरों के पक्षधर थे

(स) वे काशी में रहते थे (द) जन्मजात प्रतिभाशाली थे ( )

2. सिकन्दर लोदी आग बबूला क्यों हुए?

(अ) कबीर ने उन्हें सुई के छेद से हाथी, घोडें, पर्वत निकलते नहीं दिखाया।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(ब) कबीर लोदी के बुलाने पर भी नहीं आए।

(स) कबीर सिकन्दर के बुलाने पर सुबह की जगह शाम को आए।

(द) कबीर झूठ बोल रहे थे। ( )

3. कबीर जहाँ भी जाते थे, लोग उनके शिष्य क्यो हा जाते थे?

(अ) कबीर की ख्याति सिद्ध पुरूष के रूप में हो गई थी।

(ब) कबीर का सिकन्दर लोदी ने सम्मान किया था।

(स) कबीर सुई के छेद से हाथी, पर्वत, ऊँट निकालने की जादूगरी में माहिर थे।

(द) वे हिन्दू–मुस्लिम दोनों धर्मों के समर्थक थे। ( )

4. सिकन्दर लोदी जब काशी आए तो लोगों ने उनसे क्या शिकायत की?

(अ) वे हिन्दू–मुस्लिम दोनों धर्मों का अपमान करते थे।

(ब) वे सुई के छेद से उन्हें चमत्कार नहीं दिखाते थे।

(स) कबीर ने बाह्याडम्बरों व रूढ़ियों का खण्डन किया था।

(द) उपर्युक्त तीनों। ( )

5. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है–

(अ) सिकन्दर लोदी का काशी आगमन

(ब) सिकन्दर और कबीर

(स) कबीर के चमत्कार

(द) प्रतिभाशाली कबीर ( )

निम्नलिखित अपठित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

हम जंग न होने देंगे
विश्व शांति के हम साधक हैं, जंग न होने देंगे।

कभी न खेतो में फिर खूनी खाद फलेगी
खलिहानों में नहीं मौत की फसल खिलेगी

आसमान फिर कभी न अंगारे उगलेगा
एटम से नागासाकी फिर नहीं जलेगी

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

युद्ध विहीन विश्व का सपना भंग न होने देंगे।
जंग न होने देंगे।

हथियारों के ढेरों पर है जिनका डेरा,
मुँह में शान्ति, बगल में बम, धोखे का फेरा
कफन बेचने वालों से कह दो चिल्लाकर
दुनिया जान गई है उनका असली चेहरा
कामयाब हो उनकी चालें, ढंग न होने देंगे
जंग न होने देंगे।

हमें चाहिए शांति, जिन्दगी हमको प्यारी
हमें चाहिए शांति, सृजन की है तैयारी
हमनें छेड़ी जंग भूख से, बीमारी से
आगे आकर हाथ बटाए दुनिया सारी
हरी–भरी धरती को खूनी रंग न लेने देंगे।
जंग न होने देंगे।

6. प्रस्तुत काव्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है–

(अ) जंग की तैयारी (ब) जंग न होने देंगे

(स) विश्व शांति (द) युद्धविहीन विश्व ( )

7. प्रस्तुत पंक्ति में 'हम' शब्द किसके लिए आया है–

(अ) भारतीय फौजियों के लिए (ब) प्रधानमंत्री के लिए

(स) भारतीयों के लिए (द) विद्यार्थियों के लिए ( )

8. एटम बम किस शहर में गिराया गया था–

(अ) मुम्बई (ब) दिल्ली

(स) वाशिंगटन (द) नागासाकी ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

9. भारतीयों ने किसके खिलाफ जंग छेड़ रखी है–

(अ) पाकिस्तानियों के खिलाफ (ब) जापानियों के खिलाफ

(स) भूख व बीमारी के खिलाफ (द) गरीबी व कोरोना के खिलाफ ( )

10. कविता के अनुसार अब सपना क्या है?

(अ) विश्व में युद्ध नहीं हो

(ब) धरती हरी–भरी हो

(ब) भूख व बीमारी न हो

(द) खलिहानों में अच्छी फसल खिले। ( )

निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

11. 'साना–साना हाथ जोड़ि' पाठ के अनुसार 'गंतोक' शब्द का सही अर्थ है

(अ) सूर्य (ब) नदी

(स) पहाड़ (द) इंद्रधनुष ( )

12. 'जार्ज पंचम की नाक' पाठ के अनुसार रानी एलिजाबेथ क्या पहनकर पालम हवाई अड्डे पर उतरने वाली थी?

(अ) साड़ी (ब) रेशमी सूट

(स) पंजाबी सूट (द) ऊनी सूट ( )

प्र. 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. सुन्दर, बुढ़ापा, प्रशंसा, मित्रता शब्द ..... संज्ञा के उदाहरण हैं।

व्यक्तिवाचक / समूहवाचक / भाववाचक

2. काव्य तो एकलव्य है वह गुरू के लिए कुछ भी कर सकता। यहाँ रेखांकित शब्द को व्यक्तिवाचक संज्ञा के स्थान पर ..... संज्ञा के रूप में प्रयोग किया गया है।

जातिवाचक, भाववाचक, स्थानवाचक

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

4. हिम+आलय=हिमालय शब्द ..... का उदाहरण है।

गुण संधि / दीर्घ संधि / स्वर संधि

प्र.3 निम्नलिखित अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर 20 शब्दों में दीजिए।

1. 'जादूगर' व 'अध्यापिका' शब्दों में निहित प्रत्यय को मूल शब्दों से अलग कीजिए।

2. 'स' उपसर्ग लगाकर दो नए शब्द बनाइए।

3. गुणवाचक व संख्यावाचक विशेषणों के एक–एक उदाहरण दीजिए।

4. अकर्मक क्रिया की परिभाषा लिखिए।

5. वे तो 'आग लगाकर चले गए' और पिता जी सारे दिन जलते रहे। इस वाक्य में आए मुहावरे का प्रयोग करते हुए कोई नया वाक्य बनाइएं

6. 'चिकने घड़े पर तेल की बूँद नहीं ठहरती' लोकोक्ति का सटीक अर्थ लिखिए।

7. 'दिल्ली चलो' व तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा' नारे किसने दिऐ थे? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

8. 'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर बालगोबिन के व्यक्तित्व की कोई दो विशेषताओं की ओर संकेत कीजिए।

9. किसके वचन सुनकर परशुराम को क्रोध आया था?

10. 'छाया मत छूना' का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

11. कवि आत्मकथा क्यों नहीं लिखना चाहता था?

12. 'एक कहानी यह भी' पाठ में लेखिका बचपन में कैसी दिखती थी?

प्र. 4. निम्नलिखित कथनों को पढ़कर बताइए कि ये सही हैं या गलत–

1. 'हमारैं हरि हारिल की लकरी' यह पंक्ति नागार्जुन की है।
(सही / गलत)

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

2. तुलसी दास के पाठ राम–लक्ष्मण–परशुराम संवाद की भाषा अवधी है।
(सही / गलत)

3. 'नेताजी का चश्मा' पाठ के अंत में नेताजी की मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा लगाया गया। (सही / गलत)

खण्ड़ 'ब'

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर 40 शब्दों में दीजिए–

5. 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर फाल्गुन मास के सौन्दर्य का अंकन कीजिए।

6. 'उत्साह' कविता में कवि ने बादलों के संबंध में क्या–क्या कहा है?

7. कवि निराला 'उत्साह' कविता में बादलों को गरजने का आह्वान क्यों कर रहे है?

8. 'दंतुरित मुस्कान' का आप पर क्या प्रभाव पड़ा? स्पष्ट कीजिए।

9. 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर पानवाले का रेखाचित्र प्रस्तुत कीजिए।

10. बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के लिए अचरज का कारण क्यों थी?

11. 'लखनवी अंदाज' पाठ को आप और दूसरा क्या नाम दे सकते है और क्यों?

12. 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर शहनाई की दुनिया में डुमरॉव गाँव के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

13. 'भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना भूल जाता था। क्यों? माता का अँचल पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

14. 'जार्ज पंचम की नाक' कहानी में लेखक कमलेश्वर ने सत्ता से जुड़े लोगों की औपनिवेशिक मानसिकता पर गहरी चोट की है। इस कथन पर टिप्पणी कीजिए।

15. 'साना–साना हाथ जोड़ि' पाठ के कथानक का प्रमुख प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

16. शिवपूजन सहाय के पाठ 'माता का अँचल' पाठ में जो देहतीपन है, उसे 40 शब्दों में व्यक्त कीजिए।

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर 60 शब्दों में दीजिए।

प्र.17. इहाँ कुम्हडबतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।

देखि कुठारू सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।

तुलसीदास की उक्त चौपाई का भाव स्पष्ट कीजिए।

प्र.18. निम्नलिखित में से किसी एक रचनाकार का परिचय 80 शब्दों में लिखिए–

यशपाल

अथवा

रामवृक्ष बेनीपुरी

खण्ड 'स'

प्र.19. निम्नांकित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

कभी–कभी सुकून के क्षणों में वे अपनी जवानी के दिनों को याद करते हैं।वे अपने रियाज़ को कम, उन दिनों के अपने जुनून को अधिक याद करते है अपने अब्बाजान और उस्ताद को कम, पक्का महाल की कुलसुम हलवाइन की कचौड़ी वाली दुकान व गीताबाली और सुलोचना को ज्यादा याद करते हैं। कैसे सुलोचना उनकी पसंदीदा हीरोइन रही थीं, बड़ी रहस्यमय मुस्कराहट के साथ गालों पर चमक आ जाती है।

अथवा

पिता जी का आग्रह रहता था कि मैं रसोई से दूर ही रहूँ। रसोई को वे भटियारखाना कहते थे और उनके हिसाब से वहाँ रहना अपनी क्षमता और प्रतिभा को भट्टी में झोंकना था। घर में आए दिन विभिन्न राजनैतिक पार्टियों के जमावड़े होते थे और जमकर बहसें होती थीं। बहस करना पिता जी का प्रिय शगल था। चाय–पानी या नाश्ता देने जाती तो पिताजी मुझे भी वहीं बैठने को कहते। वे चाहते थे कि मैं भी वहीं बैठूं, सुनूँ और जानूँ कि देश में चारों ओर क्या कुछ हो रहा है।

प्र.20. निम्नांकित काव्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा
आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही।
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई।
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।

अथवा

बादल, गरजो!
घेर घेर घोर गगन धाराधर ओ!
ललित ललित, काले घुँघराले
बाल कल्पना, के–से पाले,
विद्युत–छवि उर में, कवि, नवजीवन वाले!
वज्र छिपा, नूतन कविता

खण्ड 'द'

प्र.21. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर 300–350 शब्दों में निबन्ध लिखिए–

(अ) इण्टरनेट का महत्त्व

1. प्रस्तावना
2. इण्टरनेट का स्वरूप
3. इण्टरनेट का उपयोग
4. इण्टरनेट से लाभ–हानि
5. उपसंहार

(ब) राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका

1. भूमिका
2. वर्तमान भारत व युवा पीढ़ी
3. युवाओं के कर्तव्य
4. युवा शक्ति से राष्ट्र निर्माण
5. उपसंहार

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(स) मेरे प्रेरणा पुरूष विवेकानन्द

1. प्रस्तावना
2. जीवन परिचय
3. नरेन्द्र से विवेकानन्द की यात्रा
4. प्रमुख विचार व प्रेरणा पुरूष होने के कारण
5. उपसंहार

(द) जल संकटः कारण और निवारण

1. प्रस्तावना
2. जल संकट के कारण
3. जल संरक्षण की आवश्यकता
4. सरकार द्वारा किए गए उपाय
5. उपसंहार

प्र.22. अपने पिता श्री को एक पत्र लिखकर बताइए कि आपके विद्यालय का इस वर्ष का वार्षिकोत्सव कैसा रहा? अपने को अम्बेडकर हॉस्टल भीनमाल का विद्यार्थी सुमित मानिये।

अथवा

अपने को मीनू गुप्ता 'अभिषेक' 1/1304 मालवीय नगर जयपुर निवासी मानकर मालवीय नगर क्षेत्र के विद्युत अभियन्ता को एक पत्र लिखिए। पत्र में बिजली बिल की राशि अत्यधिक आने की शिकायत हो।

प्र.23. आप 'बड़ियाल कला' ग्राम पंचायत बाँदीकुई की ओर से एक विज्ञापन तैयार कीजिए जिसमें दशहरे पर आयोजित मेले में अधिक से अधिक लोगों के सम्मिलित होने का आह्वान हो। शब्द सीमा 25–50

अथवा

आपकी बड़ी बहन को अपना पुराना एक्टिवा दुपहिया वाहन बेचना है। इसके लिए एक विज्ञापन 30–50 शब्दों में तैयार कीजिए।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

मॉडल प्रश्न पत्र – 2

कक्षा–10 हिन्दी

खण्ड 'अ'

प्र.1 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

परोपकार मनुष्यता का सबसे बड़ा धर्म है। मनु ने लिखा है कि मनुष्य में धर्म ही विशेष है जो उसे पशुओं से ऊँचा उठाता है। यदि मनुष्य में धर्म नहीं है तो वह पशु के समान है। राष्ट्र कवि गुप्त जी ने सत्य ही कहा है, ''वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।'' यह मानव धर्म की सीधी–सादी परिभाषा है। दूसरों का उपकार करना, दूसरों के लिए त्याग करना, यही मनुष्य का सच्चा धर्म है। स्वार्थपरता पशुता है। मनुष्य का यह कर्तव्य नहीं है कि वह पशुओं की भाँति सदा स्वार्थ साधना में लगा रहे। मनुष्य जीव–जगत का सर्वश्रेष्ठ प्राणी है। उसकी उच्चता व श्रेष्ठता धर्म के ही कारण है। उसका सुख–दुःख की चिन्ता करना मनुष्य का सबसे बड़ा कर्तव्य है। उसे चाहिए कि वह स्वार्थी न बनकर दूसरों की भलाई में लगा रहे, दूसरों का उपकार करे। दूसरों की भलाई करना ही परोपकार और सच्चा धर्म है।

1. उपर्युक्त गद्यांश का सही शीर्षक होगा।

(अ) धर्म (ब) परोपकार

(स) मनुष्य का धर्म (द) मनुष्य और उपकार ( )

2. मनुष्यता का सबसे बड़ा धर्म क्या है –

(अ) स्वार्थपरता (ब) परोपकार

(स) स्वयं को श्रेष्ठ मानना (द) उपर्युक्त सभी ( )

3. मनुष्यता की उच्चता का कारण क्या है?

(अ) धर्म (ब) सुख–दुःख की चिन्ता

(स) स्वार्थपरता (द) सर्वश्रेष्ठ प्राणी होना ( )

4. अवतरण में 'पशुता' किसे कहा गया है?

(अ) भलाई करना (ब) परोपकार

(स) दूसरों को मारना (द) स्वार्थ साधना ( )

5. 'धर्म मनुष्य को पशुओं से ऊँचा उठाता है।' यह बात किसने कही –

(अ) महात्मा गांधी (ब) राष्ट्रकवि

(स) मैथिलीशरण गुप्त (द) मनु ( )

निम्नलिखित अपठित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

गाता खग प्रातः उठकर
सुन्दर सुखमय जीवन
गाता खग संध्या तट पर
मंगल मधुमय जग जीवन।

कहती अपलक तारवलि
अपनी आँखों का अनुभव
अवलोक आँख आँसू की
भर आती आँखें नीरव।

हँसमुख प्रसून सिखलाते
पलभर है जो हँस पाओ
अपने उर के सौरभ से
जग का आँगन भर जाओ।

उठ–उठ लहरें कहती यह
हम कूल विलोक न पावें
पर इस उमंग में बह–बह
नित आगे बढ़ती जावें।

कँप–कँप हिलोर रह जाती
रे मिलता नहीं किनारा
बुद बुद विलीन हो चुपके

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

पा जाता आशय सारा।

6. इस कविता का उचित शीर्षक हो सकता है–

(अ) आँगन (ब) किनारे

(स) मधुमय जीवन (द) गाता खग ( )

7. फूल हमें क्या सिखलाते हैं?

(अ) आँगन में फूल सजाना (ब) हमें महकते रहना चाहिए।

(स) क्षणिक जीवन को खुलकर जीना (द) हमें मुरझाना नहीं चाहिए। ( )

8. 'बूंद–बूंद' शब्द किसके लिए आया है ?

(अ) बुलबुले (ब) लहर

(स) पानी की बूंद (द) घबराहट ( )

9. 'कूल विलोक न पावें' पंक्ति में कूल शब्द का अर्थ है –

(अ) किनारा (ब) ठण्डा

(स) कूलर (द) बूँद ( )

10. इस कविता में किस शब्दावली की प्रधानता है?

(अ) विदेशी (ब) तद्भव

(स) देशज (द) तत्सम ( )

11. इनमें से जार्ज पंचम की मूर्ति पर किसकी नाक लगाने की योजना नहीं बनी थी –

(अ) पत्थर की (ब) किसी अन्य मूर्ति की

(स) लोहे की (द) किसी जीवित व्यक्ति की। ( )

10. 'माता का अँचल'' पाठ के रचनाकार कौन है?

(अ) नागार्जुन (ब) शिवपूजन सहाय

(स) गिरिजाकुमार माथुर (द) जयशंकर प्रसाद ( )

प्र.2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

1. रमा ने बगीचे से सभी ..... फूल तोड़ लिए। इस वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति फूल शब्द के विशेषण से कीजिए।

2. जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं उन्हें ..... कहते हैं।

3. 'काव्य स्कूटर चला रहा है।' इस वाक्य में रेखांकित शब्दों में ..... क्रिया है।

4. सौम्य, जयपुर, गीता, गंगा शब्द ..... संज्ञा के उदाहरण हैं।

5. नीलकमल, श्वेताम्बर, महात्मा, नरसिंह शब्द ..... समास के उदाहरण है।

6. शब्दों के पास आने की क्रिया समास कहलाती है। ठीक इसी तरह ..... के पास आने की क्रिया संधि कहलाती है।

प्र. 3 निम्नलिखित अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए। उत्तर सीमा 20 शब्द है।

1. 'सु' उपसर्ग लगाकर दो नए शब्द बनाइए।

2. 'ऐतिहासिक' व 'व्यापारी' शब्दों में प्रत्यय छाँटकर शब्दों को अलग कीजिए।

3. बस अब यही रह गया है कि लोग घर आकर 'थू–थू करके' चले जाएँ। रेखांकित मुहावरे का अर्थ बताते हुए इसका नए वाक्य में प्रयोग कीजिए।

4. 'खोदा पहाड़ निकली चुहिया' लोकोक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

5. 'नेताजी का चश्मा' पाठ में 'एक बेहद बूढ़ा मरियल–सा लँगड़ा आदमी सिर पर गाँधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए वह' व्यक्ति कौन था?

6. बालगोबिन भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी?

7. 'खीरा लजीज होता है लेकिन होता है 'सकील, नामुराद मेदे पर बोझ डाल देता है।' इस वाक्य में आए रेखांकित शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

8. 'बाल ब्रह्मचारी अति कोही' इस पंक्ति में परशुराम की जो दो विशेषताएँ बताई गई हैं उन्हें लिखिए।

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

9. 'उसकी स्मृति पाथेय बनी है' आत्मकथ्य कविता में यहाँ स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है?

10. 'कन्यादान' कविता में माँ ने अपनी बेटी को अन्तिम पूँजी क्यों कहा है?

11. 'माता का अँचल' पाठ में आए मुख्य पात्र 'भोलानाथ' का वास्तविक नाम क्या है?

12. 'साना सना हाथ जोड़ि' पाठ में पहाड़ी कुत्तों की क्या विशेषता बताई गई है?

खण्ड (ब)

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर 40 शब्दों में दीजिए।

4. गोपियों ने श्रीकृष्ण को 'हारिल की लकड़ी' क्यों कहा है?

5. ''एक कहानी यह भी'' पाठ में लेखिका के पिता ने रसोई को 'भटियाखाना' क्यों कहा है? स्पष्ट कीजिए।

6. तुलसी रचित 'राम–लक्ष्मण–परशुराम' संवाद के संकलित अंश में जो प्रसंग आपको भाए, उनका उल्लेख कीजिए।

7. बालगोबिन भगत प्रचलित सामाजिक मान्यताओं को नहीं मानते थे। पाठ के आधार पर किन्हीं दो प्रसंगों का उल्लेख कीजिए।

8. 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की मुख्य विशेषताओं का अंकन कीजिए।

9. 'छाया मत छूना मन' कविता के आधार पर बताइए कि समय बीत जाने पर भी उपलब्धि मनुष्य को कैसे आनन्दित करती है?

10. गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होना चाहिए? सूरदास पाठ के आधार पर समझाइए।

11. 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर लेखिका का अपने पिता के साथ जो वैचारिक टकराव था, उसे स्पष्ट कीजिए।

© NCERT not to be republished

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर 40 शब्दों में दीजिए

12. सूरदास ने उद्धव एवं कमल के पत्ते में क्या समानता बताई है? स्पष्ट करें।

13. 'उत्साह' कविता में कवि ने बादलों को सम्बोधित किया है। आप समझाइए कि कवि ने बादलों को ही क्यों संबोधित किया?

14. लखनवी अंदाज पाठ में लेखक ने खीरा खाने से क्यों मना किया? साथ ही यह भी बताइए कि यदि लेखक के स्थान पर आप होते तो क्या करते?

15. 'बिस्मिल्ला खाँ' को कौन–कौनसे पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था? बताइए।

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर 60 शब्दों में दीजिए।

16. 'देहाती दुनियाँ' पाठ में आए ऐसे प्रसंगों का वर्णन कीजिए, जो आपको ज्यादा प्रसन्द हो।

17. अखबारों ने ज़िंदा नाक लगने की खबर को किस तरह से प्रस्तुत किया?

18. निम्नलिखित में से किसी एक रचनाकार का परिचय 80 शब्दों में लिखिए

जयशंकर प्रसाद अथवा मन्नू भण्डारी

खण्ड 'स'

19. निम्नांकित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

नवाब साहब ने फिर एक पल खिड़की से बाहर देखकर गौर किया और दृढ़ निश्चय से खीरों के नीचे रखा तौलिया झाड़कर सामने बिछा लिया। सीट के नीचे से लोटा उठाकर दोनों खीरों को खिड़की से बाहर धोया और तौलिये से पोंछ लिया। जेब से चाकू निकाला। दोनों खीरों के सिर काटे और उन्हें गोदकर झाग निकाला। फिर खीरों को बहुत एहतियात से छीलकर फॉकों को करीने से तौलिए पर सजाते गए।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

20. निम्नलिखित पठित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (उत्तर सीमा 60 शब्दों में)

जिसके अरूण–कपोलों की मतवाली सुन्दर छाया में
अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में
उसकी स्मृति पाथेय बनी है थके पथिक की पंथा की।
सीवन को उधेड़ कर देखोगे क्यों मेरी कंथा की।

अथवा

मन की मन ही माँझ रही।
कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही।
अवधि अधार आस आवन की, तन मन बिथा सही।
अब इन जोग सँदेसनि सुनि–सुनि, बिरहिनि बिरह दही।
चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तैं, उत तैं धार बही।
'सूरदास' अब धीर धरहिं, क्यौं, मरजादा न लही।।

खण्ड 'द'

21. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर 300–350 शब्दों में निबन्ध लिखिए–

(अ) पर्यावरण प्रदूषण : समस्या एवं समाधान

(1) प्रदूषण क्या है?
(2) प्रदूषण के प्रकार
(3) प्रदूषण के कारण
(4) निवारण हेतु अब तक किए गए उपाय
(5) समस्या दूर करने हेतु सुझाव
(6) सारांश

(ब) परिश्रम ही सफलता की कुंजी है

(1) परिश्रमः अर्थ एवं स्वरूप

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(2) परिश्रम की आवश्यकता

(3) परिश्रम का महत्व

(4) विद्यार्थी और परिश्रम

(5) समाहार

(स) भ्रष्टाचार का कैंसर

(1) भ्रष्टाचार : अर्थ एवं परिभाषा

(2) भ्रष्टाचार का स्वरूप

(3) भ्रष्टाचार के कारण

(4) भ्रष्टाचार का दुष्प्रभाव

(5) भ्रष्टाचार को दूर करने के उपाय

(6) उपसंहार

(द) राजस्थान में पर्यटन

(1) पर्यटन का अर्थ एवं स्वरूप

(2) पर्यटन से लाभ

(3) राजस्थान के प्रमुख पर्यटन स्थल

(4) पर्यटन में संभावनाएँ

(5) उपसंहार

22. आपका नाम अंजली है। आपकी छोटी बहिन कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में रहकर अध्ययन करती है। कोरोना बीमारी के संकट एवं बचाव के उपायों के सम्बन्ध में बहन के नाम एक पत्र लिखिए।

अथवा

स्वयं को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दहीमथा, भीलवाडा का विद्यार्थी दक्ष सिंह मानकर अपने प्रधानाचार्य के नाम एक पत्र लिखिए जिसमें विद्यार्थियों के लिए खेलकूल सामग्री मंगवाने की प्रार्थना हो।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

23. आपके विद्यालय में एक बड़े बाल मेले का आयोजन किया जा रहा है। अधिक से अधिक लोगों को आमंत्रित करने के लिए 40–50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

अथवा

आपके मौहल्ले में 'फाल्गुन उत्सव' बड़ी धूमधाम से मनाया जाना है। इस सम्बन्ध में मौहल्ले की विकास समिति की ओर से एक विज्ञापन 25 से 50 शब्दों में तैयार कीजिए।

© RSCERT
NOT TO BE REPUBLISHED

मॉडल प्रश्न पत्र – 3

कक्षा – 10 हिन्दी

खण्ड – अ

प्र. 1 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए

विद्यार्थी जीवन को मानव की रीढ़ की हड्डी कहें तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। विद्यार्थी काल में बालक में जो संस्कार पड़ जाते हैं, जीवन भर वही संस्कार अमिट रहते हैं। इसीलिए यही काल आधारशिला कहा गया है। यदि यह नींव दृढ़ बन जाती है तो जीवन सुदृढ़ और सुखी बन जाता है। यदि इस काल में बालक कष्ट सहन कर लेता है तो उसका स्वास्थ्य सुन्दर बनता है। यदि मन लगाकर अध्ययन कर लेता है तो उसे ज्ञान मिलता है, उसका मानसिक विकास होता है। जिस वृक्ष को प्रारम्भ से सुन्दर सिंचन और खाद मिल जाती है, वह पुष्पित एंव पल्लवित होकर संसार को सौरभ देने लगता है। इसी प्रकार विद्यार्थी काल में जो बालक श्रम, अनुशासन, समय एवं नियमन के साँचे में ढल जाता है, वह आदर्श विद्यार्थी बनकर सभ्य नागरिक बन जाता है। सभ्य नागरिक के लिए जिन–जिन गुणों की आवश्यकता है उन गुणों के लिए विद्यार्थी काल ही तो सुन्दर पाठशाला है। यहाँ पर अपने साथियों के बीच रहकर वे सभी गुण आ जाने आवश्यक है जिनकी विद्यार्थी को अपने जीवन में आवश्यकता होती है।

1. उपर्युक्त गद्यावतरण का उपयुक्त शीर्षक बताइए।

(अ) सभ्य नागरिक (ब) मानव जीवन

(स) अनुशासन (द) विद्यार्थी काल ( )

2. मानव जीवन की रीढ़ की हड्डी किसे कहा गया है?

(अ) सभ्य व्यक्ति (ब) विद्यार्थी

(स) श्रम व अनुशासन (द) सुन्दर सिंचन ( )

© IASCERT Not to be republished

3. विद्यार्थी यदि मन लगाकर अध्ययन कर लेता है तो उसे–

(अ) कष्ट होगा (ब) ज्ञान मिलेगा

(स) नागरिक बनेगा (द) गुणों की कमी होगी ( )

4. आदर्श विद्यार्थी बनने के लिए किन गुणों की आवश्यकता है?

(अ) श्रम व अनुशासन (ब) समय पाबंन्दी

(स) सही योजना (द) उपर्युक्त सभी ( )

5. अवतरण में आए विद्यार्थी शब्द का सही संधि–विच्छेद बताइए।

(अ) विदया+अर्थी (ब) विद्या+अर्थी

(स) विद्+अरथी (द) विद्या+आर्थी ( )

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मेरे नगपति ! मेरे विशाल !
साकार, दिव्य, गौरव, विराट,
पौरुष के पुंजीभूत चाल !
मेरी जननी के हिम–किरीट !
मेरे भारत के दिव्य जाल !

मेरे नगपति ! मेरे विशाल

युग–युग अजेय निर्बन्ध मुक्त
युग–युग शुचि गर्वोन्नत महान्
निस्सीम व्योम में तान रहा
युग से किस महिमा का वितान ?
कैसी अखंड यह पिर–समाधि ?
यतिवर! कैसा यह अमिट ध्यान ?
तू महाशून्य में खोज रहा
किस जटिल समस्या का निदान ?
उलझन का कैसा विषम जाल ?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

मेरे नगपति ! मेरे विशाल !

ओ, मौन तपस्या–लीनयती !
पल भर को तो कर दृगोन्मेष !
रे ज्वालाओं से दग्ध विकल
है तड़प रहा पद पर स्वदेश !
सुख–सिंधु पंचनद ब्रह्मपुत्र
गंगा–यमुना की अमिट–धार
जिस पुण्य भूमि की ओर रही
तेरी विगलित करूणा उदार
जिसके द्वारों पर खड़ा क्रांत
सीमापति ! तूने की पुकार
पद–दलित इसे करना पीछे
पहले ले मेरा सिर उतार।

मेरे नगपति ! मेरे विशाल

6. उक्त पद्य अवतरण का शीर्षक बताइए।

(अ) हिमालय (ब) ब्रहमपुत्र
(स) गंगा–युमना (द) महाशून्य ( )

7. प्रस्तुत काव्यांश मे 'भारत के दिव्य भाल' किसे कहा गया है?

(अ) महाशून्य को (ब) नगपति को
(स) हिमालय को (द) विषम जाल को ( )

8. काव्यांश में आए समास 'पंचनद' शब्द में समास व समास विग्रह का सही चयन कीजिए।

(अ) द्विगु समास, पाँच नदियों का समूह
(ब) तत्पुरूष समास, पाँच नदियों का समूह
(स) कर्मधारय समास, पाँच नदियों का समूह
(द) बहुब्रीही समास, पाँच नदियों का समूह ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

9. 'तू महाशून्य में खोज रहा किस जटिल समस्या का निदान ?। पंक्ति में निदान कौन खोज रहा है

(अ) कविवर (ब) हिमालय

(स) चन्द्रमा (द) नगपति ( )

10. उपर्युक्त काव्यांश में किन–किन नदियों का वर्णन किया है

(अ) गंगा–यमुना (ब) ब्रहमपुत्र

(स) सिंधु (द) उपर्युक्त सभी ( )

11. 'शिवपूजन सहाय' की रचना का नाम बताइए

(अ) 'साना साना हाथ जोडि (ब) माता का अंचल

(स) जार्ज पंचम की नाक (द) उपर्युक्त सभी ( )

12. 'कटाओ' लायुंग से कितनी ऊँचाई पर था ?

(अ) 500 फीट (ब) 500 मीटर

(स) 900 फीट (द) 900 मीटर ( )

प्र. 2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1. संज्ञा के मुख्य रूप से ..... भेद है

2. मुझसे चला नहीं जाता। में ..... संज्ञा है

3. पुरुषवाचक सर्वनाम के मुख्य रूप से ..... भेद माने गए हैं।

4. जिस शब्द से किसी कार्य के करने या होने का बोध होता है उसे ..... कहते है।

5. हिन्दी भाषा में मुख्यतः ..... प्रकार के उपसर्ग प्रचलित है।

6. कर्ता का बोध कराने वाले ..... प्रत्यय कहलाते हैं।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र. 3 निम्नलिखित अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर लगभग 20 शब्द है।

1. 'गुण' संधि की परिभाषा लिखिए।

2. कर्मधारय और बहुब्रीहि समास में अतंर बताइए।

3. 'कोल्हू का बैल होना' मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

4. किसी एक लोकोक्ति का परिचय देते हुए, लोकोक्ति की परिभाषा लिखिये।

5. गोपियों ने कृष्ण के बारे में उद्धव से क्या कहा ?

6. लक्ष्मण की बातों से परशुराम क्रोधित क्यों हो रहे थे ?

7. 'कन्यादान' कविता का वर्ण्य–विषय क्या है ?

8. हालदार साहब जीप से कूदकर तेज–तेज कदमों से मूर्ति की तरफ क्यों लपके ?

9. डॉ. अम्बालाल जी ने मन्नु भण्डारी का गर्मजोशी से स्वागत क्यों किया ?

10. यतीन्द्र मिश्र रचित, नौनत खाने में इनादत अध्याय में खाँ साहब की शिष्या ने उन्हें क्यों टोका व क्या कहा ?

11. साना–साना हाथ जोडि अध्याय में आए पात्र जितेन का संक्षिप्त रूप से परिचय दीजिए।

12. भोलानाथ अपने साथियों को देखकर सिसकना क्यों भूल जाता है? माता का अंचल अध्याय के आधार पर बताइए ?

(खण्ड–ब)

निर्देशः– निम्नलिखित लघूत्रात्मक प्रश्नों के लिए अधिकतम उत्तर–सीमा (40 शब्द) है।

4. 'नेताजी का चश्मा' अध्याय में हालदार साहब जब भी नेताजी की मूर्त्ति के सामने से गुजरते तब उन्हें अंतर क्यों दिखाई देता था ?

5. 'ऊधौ, तुम है। अति बड़भागी ! के माध्यम से गोपियाँ उद्धव को क्या–क्या कहती है? लिखिए

6. 'आत्मकथ्य' कविता में कवि अपनी आत्मकथा क्यों नही लिखना चाहता ?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

7. बिस्मिला खाँ साहब को संगीत की प्रेरणा सर्वप्रथम किससे मिली ?

8. राम–लक्ष्मण–परशुराम संवाद अध्याय में लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या विशेषताएँ बताई ?

9. महाकवि निराला ने 'उत्साह' कविता में बादलों की तुलना किससे की है?

10. 'एक कहानी यह भी' की लेखिका मन्नु भण्डारी के अनुसार उनकी माँ अपनी सन्तानों के लिए आदर्श क्यों नहीं बन पाई ?

11. ''लखनवी अंदाज'' अध्याय में लेखक को नवाब साहब का कौनसा भाव अच्छा नहीं लगा?

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर 40 शब्दों में दीजिए।

12. फसल कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

13. लक्ष्मण एवं परशुराम दोनों के स्वभाव की विशेषताएँ अपने शब्दों में लिखिए।

14. 'नौबत खाने में इबादत' पाठ के अनुसार बिस्मिल्ला खाँ के बचपन के बारे में लिखिए।

15. बालगोबिन भगत की मौत उन्हीं के अनुरूप कैसे हुई ?

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के 60 शब्दों में उत्तर दीजिए।

16. 'कटाओ हिन्दुस्तान का स्विट्ज़रलैण्ड है–जितेन नार्गे के कहते ही मणि ने क्या प्रतिवाद किया? साना–साना हाथ जोडि पाठ के आधार पर लिखिए।

17. इंग्लैण्ड के अखबारों की कतरने हिन्दुस्तानी अखबारों में दूसरे दिन चिपकी नजर क्यों आती थी? जॉर्ज पंचम की नाक' अध्याय के आधार पर लिखिए

18. निम्नलिखित में से किसी एक रचनाकार का परिचय 80 शब्दों में दीजिए

महाकवि तुलसीदास

अथवा

यतीन्द्र मिश्र

© NCERT not to be republished

खण्ड 'स'

19. निम्नांकित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

बालगोबिन भगत की संगीत–साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया जिस दिन उनका बेटा मरा। इकलौता बेटा था वह। कुछ सुस्त और बोदा–सा था, किन्तु इसी कारण बालगोबिन भगत उसे और भी मानते। उनकी समझ में ऐसे आदमियों पर ही ज्यादा नज़र रखनी चाहिए या प्यार करना चाहिए, क्योंकि ये निगरानी और मुहब्बत के ज़्यादा हकदार होते हैं। बडी साध से उसकी शादी कराई थी, पतोहू बड़ी ही सुभग और सुशील मिली थी। घर पर पूरी प्रबंधिका बनकर आई।

अथवा

गाड़ी छूट रही थी। सेकण्ड क्लास के एक छोटे डिब्बे को खाली समझकर, ज़रा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताज़े–चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे। डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकान्त–चिन्तन में विध्न का असंतोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिन्ता में हो या खीरे–जैसी अपदार्थ वस्तु का शौक करते देखे जाने के संकोच में हों।

20. निम्नलिखित पठित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (उत्तर सीमा 60 शब्दों में)

हमारैं हरि हारिल की लकरी

मन क्रम बचन नन्द–नन्दन उर, यह दृढ़ करि पकरी।

जागत सोवत स्वप्न दिवस–निसि, कान्ह–कान्ह जक री।

सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं, करूई, ककरी।

सु तो ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी।

यह तौ 'सूर' तिनहिं ले सौंपों जिनके मन चकरी।

अथवा

तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान

धन्य तुम, माँ भी तुम्हारी धन्य।

चिर प्रवासी मैं इतर, मैं अन्य!

इस अतिथि से प्रिय तुम्हारा क्या रहा सम्पर्क

उँगलियाँ माँ की कराती रही हैं मधुपर्क

देखते तुम इधर कनखी मार

और होतीं जब कि आँखे चार

तब तुम्हारी दंतुरित मुसकान

मुझे लगती बड़ी ही छविमान!

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

खण्ड 'द'

21. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर 300–350 शब्दों में निबन्ध लिखिए–

(अ) आत्मननिर्भर भारत

(1) प्रस्तावना

(2) आत्मनिर्भर भारत

(3) आत्मनिर्भर भारत के पांच स्तम्भ

(4) आत्मनिर्भरता के उपाय व लाभ

(5) उपसंहार

(ब) स्वच्छ भारत अभियान

(1) प्रस्तावना

(2) स्वच्छता अभियान का उद्‌देश्य

(3) स्वच्छता अभियान का क्षेत्र

(4) स्वच्छता अभियान के लाभ

(5) उपसंहार

(स) कोरोना वायरस (कोविड–19) महामारी

(1) प्रस्तावना

(2) कोरोना वायरस लक्षण व बचाव के तरीके

(3) कोरोना वायरस का सामाजिक प्रभाव

(4) आर्थिक प्रभाव

(5) उपसंहार

(द) बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ।

(1) प्रस्तावना

(2) बालिका शिक्षा का महत्त्व

(3) लिंगानुपात कम होने के कारण व उपाय

(4) बेटी बचाओ : बेटी पढ़ाओ अभियान एवं उद्देश्य

(5) उपसंहार

22. स्वयं को राजकीय उ.मा.वि. नठारा (सराड़ा) का छात्र मानते हुए अपने प्रधानाचार्य को पुस्तकालय में पुस्तकों की कमी के बारे में अवगत कराते हुऐ पुस्तकों की व्यवस्था करवाने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।

अथवा

आप जयपुर निवासी राजेश हैं। अजमेर में अध्ययन कर रहे छोटे–भाई को राजस्थान ग्रामीण ओलम्पिक खेल में भाग लेने के लिए पत्र लिखिए।

23. आपके नगर में रह रहे लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए 40–50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

अथवा

आपके विद्यालय में विज्ञान मेलें का आयोजन किया जा रहा है इसके लिए आप एक विज्ञापन तैयार कीजिए जिसकी शब्द सीमा 40–50 शब्द हो।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

क्षितिज

व्याख्या खण्ड

(पद्य)

निम्नलिखित पद्य खण्डों / पद्याशों / काव्य अंशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

अथवा

अधोलिखित कविता खण्डों / पंक्तियों का भाव स्पश्ट कीजिए ।

(1)

मन की मन ही माँझ रही ।

कहिए जाइ कौन पै ऊधौ , नाहीं परत कही ।

अवधि अधार आस आवन की , तन मन बिधा सही ।

अब इन जोग सँदेसनि सुनि – सुनि , बिरहिनि बिरह दही ।

(2)

हमारैं हरि हारिल की लकरी।

मन क्रम बचन नंद – नंदन उर , यह दृढ़ करि पकरी ।

जागत सोवत स्वप्न दिवस – निसी , कान्ह जक री ।

सुनत जोग लागत है ऐसौ , ज्यौं करूई ककरी ।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(3)

ऊधौ , तुम हौ अति बड़भागी ।

अपरस रहत सनेह तगा तैं , नाहिन मन अनुरागी ।

पुरइनि पात रहत जल भीतर , ता रस देह न दागी ।

ज्यौं जल माहैं तेल की गागरि , बूँद न ताकौं लागी ।

(4)

नाथ संभुधनु भंजनिहारा । होइहि केऊ एक दास तुम्हारा ।।

आयेसु काह कहिअ किन मोही । सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही ।।

सेबकु सो जो करै सेवकाई । अरिकरनी करि करिअ लराई ।।

सुनहु राम जोहि सिवधनु तोरा । सहसबाहु सम सो रिपु मोरा ।।

(5)

बहु धनुही तोरी लरिकाईं । कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं ।।

योहि धनु पर ममता केहि हेतू । सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेलू ।।

रे नृप बालक कालबस बोलत तोहि न सँभार ।।

धनुही सम त्रिपुरारिधनु विदित सकल संसार ।।

(6)

सूर समर करनी करहीं कहि न जनावहिं आपु ।

विद्यमान रन पाइ रिपु कायर कथहिं प्रतापु ।

तुम तौ कालु हाँक जनु लावा । बार मोहि लागि बोलावा ।।

सुनत लखन के बचन कठोरा । परसु सुधारि धरेक कर घोरा ।।

© RSCERT NOT TO BE PUBLISHED

(7)

कहेऊ लखन मुनि सीलु तुम्हारा । को नहि जान बिढित संसारा ।।

माता पितहि उरिन भये नीकें । गुररिनु रहा सोचु बड़ जी कें ।।

सो जनु हमरेहि माथें काढ़ा । दिन चलि गये ब्याज बड़ बाढ़ा ।।

अब आनिब ब्यवहरिआ बोली । तुरत देऊँ में थैली खेली ।।

(8)

इस गंभीर अंनत – नीलिमा में असंख्या जीवन – इतिहास

यह लो , करते ही रहते ईं अपना व्यंग्य – मलिन उपहास

तब भी कहते हो – कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती ।

तुम सुनकर सुख पाओगे , देखोग–यह गागर रीती ।

(9)

उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ ,मधुर चाँदनी रातों की

अरे खिल–खिल कर हँसते होने वाली उन बातों की

मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया ।

आलिंगन में आते–आते मुसक्या कर जो भाग गया ।

(10)

अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहारा मधुमाया में

डसकी स्मृति पाथेय बनी है थके पथिक की पंथा की

सीवन की उधेड़ कर देखोगे क्यों मेरी कंथा की ?

छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ ?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(11)

बादल , गरजो ! –

घेर घेर घोर गगन , धाराधर ओ !

ललित ललित , काले घुँघराले ,

बाल कल्पना के – से पाले ,

विद्युत – छवि उर में , कवि , नवजीवन वाले !

(12)

अट नहीं रही है

आभा फागुन की तन

सट नही रही है।

कहीं साँस लेते हो ,

घर–घर भर देते हो ।

(13)

पत्तों से लदी डाल

कहीं हरी , कहीं लाल ,

कहीं पड़ी है उर में

मंद – गंध – पुष्प–माल ,

पाट–पाट शोभा–श्री

पट नहीं रही है ।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(14)

तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान

मृतक में भी डाल देगी जान

धूलि – धूसार तुम्हारे ये गात .....

छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ में खिल रहे जलजात

(15)

धन्य तुम , माँ भी तुम्हारी धन्य !

चिर प्रवासी मैं इतर , मैं अन्य !

इस अतिथि से प्रिया तुम्हारा क्या रहा संपर्क

ऊँगलियाँ माँ की कराती रही हैं मधुपर्क

(16)

फसल क्या है ?

और तो कुछ नहीं है वह

नदियों के पानी का जादू है वह

हाथों के स्पर्श की महिमा है

(17)

छाया मत छूना

मन ,होगा, दुख दूना।

जीवन में 'है' सुरंग सुधियाँ सुहावनी

छवियों की चित्र–गंध फैली मनभावनी;

तन– सुगंध श्शेष रही, बीत गई यामिनी

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(18)

यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया;

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया ।

प्रभुता का शरण बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चन्द्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

(19)

वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह

बंधन है स्त्री जीवन के

माँ ने कहा लड़की होना

पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।

© RSCERT
NOT TO BE REPUBLISHED

व्याख्या खण्ड

(गद्य)

(1)

नेताजी सुंदर लग रहे थे । कुछ–कुछ मासूम और कमसिन । फौजी वर्दो में । मूर्ति को देखते ही दिल्ली चलो ' और तुम मुझ खून दो.....' वगरैह याद आने लगते थे । इस दृष्टि से यह सफल और सराहनीय प्रयास था। केवल एक चीज़ की कसर थी जो देखते ही खटकती थी । नेताजी की आँखों पर चश्मा नहीं था । यानी चश्मा तो था, लेकिन संगमरमर का नहीं था।

(2)

एक चश्मेवाला है जिसका नाम कैप्टन है । उसे नेताजी की बगैर चश्मेवली मूर्ति बुरी लगती है। बल्कि आहत करती है , मानो चश्में के बगैर नेताजी को असुविधा हो । इसलिए वह अपनी छोटी–सी दुकान में उपलब्ध गिने–चुने फ्रेमों में से एक नेताजी की मूर्ति पर फिट कर देता

(3)

एक बेहद बूढ़ा मरियल–सा लँगड़ा आदमी सिर पर गांधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए एक हाथ में एक छोठी –सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर टँगे बहुत से चश्मे लिए अभी–अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था । तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं !

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(4)

बालगोबिन भगत साधु थे–साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरने वाले । कबीर को 'साहब' मानते थे , उन्हीं के गीतों , उन्हीं के आदेशों पर चलते । कभी झूठ नहीं बोलते , खरा व्यवहार रखते । किसी से भी दो–टूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी , न किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते । किसी की चीज नहीं छूते , न बिना पूछे व्यवहार में लाते ।

(5)

घर में पतोहू रो रही है जिसे गाँव की स्त्रियाँ चुप कराने की कोशिश कर रही है । किन्तु , बालगोबिन भगत गारू जो रहे हैं । हाँ , गाते–गाते कभी–कभी पतोहू के नज़दीक भी जाते और उसे रोने के बदले उत्सव मनाने को कहते । आत्मा परमात्मा के पाक्ष चली गई , विरहिनी अपने प्रेमी से जा मिली , भला इससे बढ़कर आनन्द की कौन बात ?

(6)

ठस बार लौटे तो तबीयत कुछ सुस्त थी । खाने – पीने के बाद भी तबीयत नहीं सुधरी , थोड़ा बुखार आने लगा । किन्तु नेम–व्रत तो छोड़ने वाले नहीं थे । वही दोनो जून गीत , स्नान ध्यान , खेतीबारी देखना , दिन–दिन छीजने लगे । लोगों ने नहाने–धोने से मना किया , आराम करने को कहा । किन्तु , है सका टाला देते रहे । उस दिन भी संध्या में गीत , किन्तु मालूम होता और तागा टूट गया हो..... ।

@ JSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(7)

नवाब साहब ने बिल्कुल अकेले यात्रा कर सकने के अनुमान में किफायम के विचार से सेकंड़ क्लास का टिकट खरीद लिया हो और अब गवारा न हो कि शहर का कोई सफेदपोश उन्हें मँझले दर्जे में सफर करता देखे ..... अकेले सफ़र का वक्त काटने के लिए ही खीरे खरीदे होगें और अब किसी सफेदपोश के सामने खीरा कैसे खाएँ ?

(8)

नवाब साहब ने फिर एक पल खिड़की से बाहर देखकर गौर किया और दृढ़ निश्चय से खीरों के नीचे रखा तौ लिया झाड़कर सामने बिछा लिया । सीट के नीचे से लोटा उठाकर दोनों खीरों को खिड़को से बाहर धोया और तौलिये से पोंछ लिया । जेब से चाकू निकाला । दोनों खीरों के सिर काटे और उन्हें गोदकर झाग निकाला ।

(9)

नमक–मिर्च छिड़क दिए जाने से ताज़े खीरे की पनियाती फाँकें देखकर पानी मुहँ में जरूर आ रहा था , लेकिन इनकार कर चुके थे। आत्मसम्मान निबाहना ही उचित समझा , उत्तर दिया , शुक्रिया , इस वक्त तलब महसूस नहीं हो रही , मेदा भी जरा कमजोर है , कि बला शौक फरमाएँ ।

(10)

हम गौर कर रहे थे , खीर इस्तेमाल करने के इस तरीके को खीरे की सुगंध और स्वाद की कल्पना से संतुष्ट होने का सूक्ष्म , नफीस या स्ट्रैक्ट तरीका जरूर कहा जा सकता है । परन्तु क्या ऐसे तरीक से उदर की तृप्ति भी हो सकती है ?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(11)

एक बहुत बड़े आर्थिक झटके के कारण वे इंदौर से अजमेर आ गए थे, जहाँ उन्होंने अपने अकेले के बल–बूते और हाँसले से अंग्रेजी–हिन्दी शब्दकोश (विषयवार) के अधूरे काम को आगे बढ़ाना शुरू किया जो अपनी तरह का पहला और अकेला शब्दकोश था । इसने उन्हें श्यश और प्रतिष्टा तो बहुत दो, पर अर्थ नहीं।

(12)

मैं काली हूँ। बचपन में दुबली और मरियल भी थी । गोरा रंग पिताजी की कमजोरी थी सो बचपन में मुझझे दो साल बड़ी , खूब गोरी, स्वस्थ और हँसमुख बहिन सुशीला से हर बात में तुलना और फिर उसकी प्रशंसा ने ही ,क्या मेरे भीतर ऐसे गहरे हीन–भाव की ग्रंधि पैदा नहीं कर दो कि नाम, सम्मान और प्रतिष्ठा पाने के बावजूद आज तक मैं उससे उबर नही पाई ?

(13)

पिताजी का आग्रह रहता था कि मैं रसोई से दूर ही रहूँ। रसोई को वे भटियारखाना कहते थे और उनके हिसाब से वहाँ रहना अपनी क्षमता और प्रतिभा को भट्टी में झोंकना था। घर में आए दिन विभिन्न राजनैतिक पार्टियों के जमावड़े होते थे और जमकर बहसें होती थी। बहस करना पिताजी का प्रिय शगल था। चाय–पानी या नाश्ता देने जाती तो पिताजी मुझे भी वहीं बैठने को कहते । वे चाहते थे कि मैं भी वहीं बैढूँ , सुनूँ और कि देश में चारों ओर क्या कुछ हो रहा है ।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(14)

पिताजी की आजादी की सीमा यहीं तक थी कि उनकी उपस्थिति में घर में आए लोगों के बीच उढ़ूँ–बैढ़ूँ ,जानूँ–समझूँ । हाथ उठा–उठाकर नारे लगाने लगती हैं,। हड़तालें करवाती , लड़कों के साथ शहर की सड़कें नापती लड़की को अपनी सारी आधूनिकता के बावजूद बर्दाश्त करना उनके लिए मुश्किल हो रहा था तो किसी की दी हुई आजादी के दायरे में चलना मेरे लिए ।

(15)

सारे कॉलिज की लड़कियों पर इतना रौब है तेरा.....सारा कॉलिज तुम तीन लड़कियों के इशारें पर चल रहा है ? प्रिंसीपल बहुत परेशान थी और बार बार आग्रह कर रही थी कि मैं तुझे घर बिठा लूँ , क्योकि वे लोग किसी तरह डरा – धमकाकर , डाँट–डपटकर लड़कियों को क्लासों में भेजते है और तुम लोग एक इशारा कर दो कि क्लास छोड़कर बाहर आ जाओ तो सारी लड़कियाँ निकलकर मैदान में जमा होकर नारे लगाने लगती है ।

(16)

यह तो डॉक्टर साहब का स्नेह था जो उनके मुँह से प्रंशसा बनकर बह रहा था या यह भी सकता है कि आज से पचास साल पहले अजमेर जैसें शहर में चारों और से उमड़ती भीड़ के बीच एक लड़की का बिना किसी संकोच और झिझक के यों धुआँधार बोलते चले जाना ही इसके भूल में रहा हो ।

(17)

अमीरूद्दीन व शम्सुद्दीन के मामाद्वय सादिक हुसैन तथा अलीबख्श देश के जाने – माने शहनाई वाइक हैं। विभिन्न रियासतों के दरबार में बाजने जाते रहते है । रोजनामचे में बालाजी का मंदिर सबसे उपर आता है । हर दिन की शुरूवात वहीं ज्योदी पर होती है । मंदिर के विग्रहों को पता नहीं कितनी समझ है , जो रोज़ बदल – दलकर मुलातानी ,कल्याण , ललित और कभी भैरव रागों को सुनते रहते हैं । ये खानदानी पेशाहँ अलीबख़्श के घटक ।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(18)

वैदिक इतिहास में शहनाई का कोई उल्लेख नहीं मिलता । इसे संगीत शास्त्रान्तर्गत 'सुषिर–वाद्यों में गिाना जाता है । अरब देश में फूँककर बजाए जाने वाले वाद्य जिसमें नाड़ी (नरकट/या रीड) होती है, को 'नय' बोलते है शहनाई को 'शाहेनय' अर्थात 'सुषिर वाद्यों' में शाह ' की उपाधि दी गई है। सोलहवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में तानसेन के द्वारा रची बंदिश , जो संगीत राग कल्पद्रम से प्राप्त होती है, में शहपाई , मुरली , वंशी श्रृंगी एंव मुरछंग आदि का वर्णन आया है ।

(19)

इधर सुलोचना की नयी फिल्म सिनेमाहाज में आई और उधर अमीरूद्दीन अपनी कमाई लेकर चला फिल्म देखने जो बालाजी मंदिर पर रोज़ शहनाई बजाने से उसे मिलती थी । एक अठन्नी मेहनताना । उस पर यह शौक जबरदस्त कि सुलोचना की कोई नयी फिल्म न छूटे और कुलसुग की देशी घी वाली दुकान । वहाँ की संगीतमय कचौड़ी ।

(20)

हनुमान जयंती के अवसर पर यहाँ पाँच दिनों तक शास्त्रीय एंव उपशास्त्रीय गायन–वादन की उत्कृष्ट सभा होती है । इसमें बिस्मिल्ला खाँ अवस्य रहते हैं । अपने महजब के प्रति अत्यधिक समर्पित उस्ताद बिसतिल्ला खाँ की श्रद्धा काशी विश्वनाथ व बालाजी मंदिर की दिशा की मुँह करके बैठते है, थोड़ी देर ही सही , मगर उसी और शहनाई का प्याला घुमा दिया जाता है ।

(21)

भारतरत्न से लेकर इस देश के देरों विश्वविद्यालयों की मानद उपाधियों से अलंकृत व संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार एंव पद्मविभूषण जैसे सम्मानों सेनहीं, बल्कि अपनी अजेय संगीतयात्रा के लिए बिस्मिल्ला खाँ साहब भविष्य में 21 अगस्त 2006 को संगीत रसिकों की हार्दिक सभा से विदा हुए खाँ साहब की सबसे बड़ी देन हमें यही हमें यही है कि पूरे अस्सी बरस उन्होंने संगीत को संपूर्णता एकाधिकार से सीखने की जिजीविषा को अपने भीतर जिंदा रखा।

© RSCIPT NOT TO BE REPUBLISHED

व्यावहारिक – व्याकरण

पद भेद – संज्ञा , सर्वनाम , विशेषण , क्रिया , और अव्यय

- ### संज्ञा

प्र . 1 संज्ञा की परिभाषा लिखिए ।

प्र . 2 संज्ञा के मुख्य रूप से कितने भेद हैं ?

प्र . 3 व्यक्ति वाचक संज्ञा किसे कहते हैं ?

प्र . 4 श्याम ने कहा कि मुझसे चला नहीं जाता इसमें संज्ञा का कौनसा भेद हैं, बताइए।

प्र . 5 वह कल जयपुर चला जाएगा , इस वाक्य में जयपुर शब्द में संज्ञा बताइए ।

प्र . 6 जिस संज्ञा में संपूर्ण प्राणियों , वस्तुओं , स्थानों , आदि का बोध होता हो उसे कहते हैं ।

प्र . 7 निम्नलिखित शब्दो से भाववाचक संज्ञा बनाइए ।

1) मित्र , ... 2) सज्जन , ...

3) सती , ... 4) बच्चा , ...

5) पुरुष , ... 5) दानव , ...

प्र . 8 निम्नलिखित सर्वनाम से भाव वाचय संज्ञा बनाईये ।

1) सर्व , ... 2) मम , ...

3) स्व ..... 4) अपना .....

- ### सर्वनाम

प्र . 1 सर्वनाम की परिभाषा लिखिए ।

प्र . 2 सर्वनाम के कितने–भेद हैं? लिखिए

प्र . 3 ''किसी ऐसे व्यक्ति या पदार्थ का बोध होता हो जिसके विषय में निश्चित सूचना नहीं मिलती ''। यह कौनसा सर्वनाम में होता है ?

प्र . 4 वहाँ दरवाजे पर कौन खड़ा है ? वाक्च में सर्वनाम का भेद बताइये ।

प्र . 5 'जिसका लाठी उसकी भैंस ' वाक्य में सर्वनाम बतलाइये ।

प्र . 6 दूर की वस्तुओं के लिए कौनसे सर्वनाम होगे बतालाइये ।

प्र . 7 आप लोग यहाँ से चले जाए रेखांकित शब्दों में सर्वनाम होगा।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र . 8 पुरूषवाचक सर्वनाम के कितने भेद (प्रकार) है ? लिखिए ।

प्र . 9 मैं , हम , हम सब , हम लोग आदि किस सर्वनाम के भेद है ?

प्र . 10 'वे लोग कल सुबह दिल्ली जाएगे' वाक्य में वे लोग किस सर्वनाम का भेद है ?

प्र . 11 सम्बध वाचक सर्वनाम की परिभाषा लिखिए ।

- **क्रिया**

प्र . 1 क्रिया की परिभाषा लिखिए ।

प्र . 2 हिन्दी में क्रिया के कितने भेद माने गए हैं ? बताइये । ,

प्र . 3 जिस क्रिया का फल कर्ता को छोड़कर कर्म पर पड़े उसे क्या कहते हैं ?

प्र . 4 'सुरेश खाना खा रहा है' , वाक्य में कौनसी क्रिया हो रही है, ?

प्र . 5 जब कर्त्ता स्वय कार्य का संपादन न कर किसी दूसरे को करने के लिए प्रेरित करे तो कोनसी क्रिया होगी ।

प्र . 6 सकर्मक क्रिया की परिभाषा बतलाइये ?

प्र . 7 एक कर्मक क्रिया किसे कहते है ?

प्र . 8 नामधातु क्रिया किसे कहते है , बतलाइये ?

प्र . 9 मूल धातु में 'कर' लगाने से किसा क्रिया का रूप किया जा सकता है ?

प्र . 10 'राम और श्याम पढ़कर सो गए ' वाक्य में कौनसे क्रिया है बतलाइये ?

प्र . 11 कर्म के आधार पर क्रिया के भेद बतलाइये ?

प्र . 12 चिड़िया उड़ रही है , इसमें क्रिया का कोनसा भेद हो रहा है ,बताइये ।

प्र . 13 अध्यापक छात्रों को कम्प्यूटर सिखा रहे है इस वाक्य में क्रिया का कोनसा रूप घटित हो रहा है ।

प्र . 14 संरचना के आधार पर क्रियाा के भेद लिखिए ।

प्र . 15 सुमन खेलकर पढ़ने बैढेगी वाक्य में कौनसी क्रिया होगी , लिखिए

प्र . 16 काल के आधार पर क्रिया के कितने भेद है बताइये ।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

- **विशेषण**

प्र . 1 विशेषण की परिभाषा लिखिए ।

प्र . 2 विशेषण के प्रकार कितने है ।

प्र . 3 ' राम बाजार से चार किलो आरा लाया ' में कौनसा विशेषण होगा ?

प्र . 4 मानव शब्द से विशेषण से विशेषण बनेगा ?

प्र . 5 विशेषण किस शब्द की विशेषता बताते है ?

प्र . 6 'इस गेंद को मत फेको ' वाक्य में कौनसा विशेषण होगा ?

प्र . 7 परिणाम बाचक विशेषण की परिभाषा लिखिए ?

प्र . 8 'कल बगीचे से में विशेषण का प्रकार बताइये ?

प्र . 9 'कल जब मैं बाजार गया तो वहाँ मैंने बनारसी साडी देखी ' वाक्य में बनारसी साडी किस प्रकार का विशेषण है लिखिए ?

प्र . 10 अव्यय की परिभाषा लिखिए ?

प्र . 11 अव्यय के पद परिचय भेद सहित लिखिए ?

प्र . 12 गुणवाचक विशेषण की विशेषण की विशेषता बताइये ?

प्र . 13 परिमाण वायक विशेषण का कोई एक उदाहरण लिखिए ।

प्र . 14 ऐसे शब्द जो सर्वनाम हैं किन्तु वाक्य में विशेषण के रूप में प्रयुक्त हो रहे है वे कहलाते है , परिभाषा सहित बताइये ?

प्र . 15 सार्वनामिक विशेषण की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिये ?

प्र . 16 ''बगीचे में आम के पेड़ है , वाक्य में प्रयुक्त विशेषण व उसके भेद बतलाइये ?

प्र . 17 'बच्चा रो रहा है , उसे गोद में उठा लो' वाक्य में प्रयुक्त विशेषण व भेद बताइए ।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

विसर्ग /प्रत्यय

प्र . 1 उपसर्ग की परिभाषा लिखिए ।
प्र . 2 उपसर्ग के भेद बताइये ?
प्र . 3 उपसर्ग व प्रत्यय में समानता बतलाइये ?
प्र . 4 प्रत्यय की परिभाषा लिखिए

प्र . 5 हिन्दी में प्रत्यय कितने प्रकार के होते हैं , समझाइये ।

प्र . 6 ' अभिमानी ' शब्द में क्रमशः उपसर्ग , मूलशब्द व प्रत्यय अलग किजिए ?

प्र . 7 'अन' उपसर्ग के तीन उदाहरण लिखिए ।

प्र . 8 'बहु' उपसर्ग के कोई दो उदाहरण लिखिए ।

प्र . 9 कृत प्रत्यय व तद्धित प्रत्यय में भेद बतलाइये ?

प्र . 10 संज्ञा की रचना करने वाले कोई दो कृत प्रत्यय लिखिए ?

प्र . 11 विशेषण की रचना करने वाले किन्ही चार कृत प्रत्यय लिखिए ।

प्र . 12 'ममेरा' शब्द में कौनसा प्रत्यय होगा ?

प्र . 13 कृत प्रत्यय के भेद बताइये ?

प्र . 14 'खिलौने' शब्द में उदाहरण सहित प्रत्यय बतलाइये ।

प्र . 15 चौमासा शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है लिखिए ?

प्र . 16 'चचेरा' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है बतलाइये ।

प्र . 17 'देवरानी' शब्द में मूल शब्द बतलाइये ।

प्र . 18 'अनुरूप' शब्द में उपसर्ग बताए ?

प्र . 19 मिलावट शब्द में मूल शब्द और प्रत्यय बताए ।

प्र . 20 उपसर्ग कितने प्रकार के होते है ?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र . 21 निम्नलिखित उपसर्ग लगाकर प्रत्येक के दो–दो शब्द बनाओ ?

1. अभि .....
2. अन् .....
3. आ .....
4. अनु .....

सन्धि / समास

प्र . 1 सन्धि शब्द का शाब्दिक अर्थ क्या है ? लिखिए

प्र . 2 सन्धि की परिभाषा लिखिए।

प्र . 3 सन्धि के भेद लिखिए।

प्र . 4 स्वर सन्धि के प्रकार बतलाइये।

प्र . 5 'भोजनालय' शब्द का सन्धि–विच्छेद कीजिए व संधि का नाम बताइये।

प्र . 6 गुण संधि के कोई दो उदाहरण लिखिए , विग्रह सहित

प्र . 7 निम्नलिखित संधियों का विग्रह कीजिए ।

1. पित्राज्ञा .....
2. प्रत्येक .....
3. नायक .....
4. अत्यलिखित .....
5. अत्युत्तम .....
6. स्वच्छ .....

प्र . 8 'पावक' शब्द में कोनसी संधि होगी विग्रह सहित बतलाइये ।

प्र . 9 व्यंजन संधि के किन्हीं चार–पांच उदाहरणों को लिखिए ।

प्र . 10 विसर्ग संधि की परिभाषा लिखिए ।

प्र . 11 'मनोविकास' शब्द में कौनसी संधि होगी बतलाइये ?

© PSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र . 12 समास की परिभाषा लिखिए

प्र . 13 समास के मुख्यतः कितने भेद माने गए है , बतलाइये

प्र . 14 किस समास में पहला पद गौण व दूसरा पद प्रधान होता है ।

प्र . 15 'यशप्राप्त' समास का विग्रह किजिए व समास का नाम बतलाइये ।

प्र . 16 'से' प्रथक या अलग के लिए चिह्न का लोप् समास के किस भेद का उदाहरण है उदाहरण सहित बतलाए ।

प्र. 17 कर्मधारय और बहुवीदी समास होगा विग्रह सहित समझाइये ।

प्र . 18 अव्ययी समास के कोई दो उदाहरण लिखिए ।

प्र . 19 'त्रिलोचन' शब्द में समास होगा विग्रह संहित समझाइये ।

प्र . 20 निम्नलिखित समास में अंतर बताइये ।

1. यथाशक्ति .....
2. नवरत्न .....
3. गजानन .....
4. पदप्रान्त .....
5. बाणाहत .....
6. बंधनमुक्त .....

प्र . 21 द्वन्द्व समास के कोई दो उदाहरण लिखित ।

प्र . 22 'श्वेतपत्र' शब्द में समास विग्रह किजिए ।

मुहावरें /लोकोक्तियाँ

प्र . 1 ढाँढ़स बँधाना मुहावरे का अर्थ होगा ?

प्र . 2 'फूला न समाना ' मुहावरे का सही अर्थ होगा ?

प्र . 3 'केवल कल्पनाएँ करना ' मुहावरे का अर्थ बतलाइये ?

प्र . 4 निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ बतलाइये

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

1. अगर–मगर करना
2. आँखे खुलना
3. आग बबूल होना
4. ऋण उतारना

प्र . 5 'अपना नुकसान स्वंय करना ' वाक्य का मुहावरा लिखिए

प्र . 6 'ओखली में सिर देना ' मुहावरे का सही अर्थ बतलाइये ।

प्र . 7 ' असमान सिर पर उठाना ' मुहावरे का अर्थ बतलाइये ।

प्र . 8 रीति विरूद्व ' करना ' वाक्य का सही अर्थ बतलाइये ।

प्र . 9 'अधंरे खाता होना ' मुहावरे का अर्थ बतलाइये ।

प्र . 10 'अपने मुँह मियाँ मिटठू होना ' मुहावरे का अर्थ बतलाइये ।

प्र . 11 किसी से कोई लेना–देना न होना ' को दर्शाने वाली लोकोक्ति लिखिए

प्र . 12 'अंधा बाँटे रेवड़ी फिर फिर अपने को देय ' लोकोक्ति का अर्थ लिखिए ।

प्र . 13 'सब ओर कष्ट ही कष्ट होना ' के लिए लोकोक्ति लिखिए ।

प्र . 14 काम बिगड़ने पर पछताने से कोई लाभ नही को दर्शाने वाली लोकोक्ति है ।

प्र . 15 सिद्वांतहीन अवसरवादी व्यक्ति को दर्शाने वाली लोकोक्ति लिखिए ।

प्र . 16 निम्नलिखित लोकोक्तियों के अर्थ लिखिए ।

1.) अशर्फियों लुटे , कोयलों पर मोहर

2.) जैसे करनी वैसी भरनी

प्र . 17 कपटपूर्ण व्यवहार या कथनी–करनी में अंतर होना के लिए सही लोकोक्ति लिखिए ।

प्र . 18 'नौ दिन चले अढ़ाई कोस ' लोकोक्ति का अर्थ बतलाइये ।

प्र . 19 'आप भले तो जग भला ' लोकोक्ति का अर्थ बतलाइये ।

प्र . 20 'दो समान अधिकार वाले एक साथ कार्य नहीं कर सकते । वाक्य के लिए उचित लोकोक्ति लिखिए ।

प्र . 21 'बडा पाप करने के बाद पुण्य का ढ़ोंग करना ' को दर्शाने वाली लोकोक्ति है ।

प्र . 22 'न ऊधौ का लेना न माधो का देना ' लोकोक्ति का सही भावर्थ उदाहरण सहित देवें ।

प्र . 23 'नानी के आगे ननिहाल की बातें ' लोकोक्ति का सही भावार्थ होगा ।

© ISCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र . 24 निम्नलिखित में से किसी एक लोकोक्ति का सही भावार्थ लिखिए

1.) 'फरा सो झरा , बरा सो बुताना '

2.) बिल्ली के भाग से छींका टूटना

3.) बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद

प्र . 25 छोटे कार्य से मुक्ति के प्रयास मे बडे कार्य का जिम्मा गले पड़ना ' वाक्य का लोकोक्ति में प्रयोग कीजिए ।

प्र . 26 'यथा राजा तथा प्रजा ' लोकोक्ति का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

प्र . 27 निम्नलिखित लोकोक्तियों में से किसी एक अर्थ लिखिए व वाक्य में प्रयोग कीजिए

1.) हाथ कंगना को आरसी क्या ,

2.) डूबते को तिनके का सहारा

3.) तीन लोक से मथुरा न्यारी

4.) थोथा चना बाजे घना

प्र . 28 'नेकी कर कुएं में डाल' लोकोक्ति का भावार्थ लिखिए ।

प्र . 29 'मुफ्त में मिली वस्तु के गुण–दोष नहीं देखे जातें ' वाक्य का लोकोक्ति में प्रयोग करे।

मुहावरें /लोकोक्तियाँ

प्र . 1 'सिर खम करना' , मुहावरे का सही अर्थ बताइये ।

प्र . 2 'मुहामुर्ख होना' का मुहावरा बताइये ।

प्र . 3 'काठ का उल्लू होना' मुहावरे का सही भावर्थ लिखिए ।

प्र . 4 'सुनकर भी अनसुना करना' वाक्य का अर्थ बोधक मुहावरा लिखिए ।

प्र . 5 'कलेजे का टुकड़ा होना' मुहावरे का अर्थ बताइये ।

प्र . 6 'खाक में मिलना' मुहावरे का सही अर्थ होना लिखिए ।

प्र . 7 'घी के दिये जलाना ' मुहावरे का सही अर्थ है ।

प्र . 8 'अवसर वादी होना ' वाक्य का मुहावरे में प्रयोग उदाहरण सहित करे ?

प्र . 9 'घर फूँककर तमाशा देखना ' मुहावरे का वाक्य में प्रयोग करे ?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र . 10 'जिन्दा मक्खी निगलना ' मुहावरे का सही अर्थ लिखिए ।

प्र . 11 'टका सा मुँह लेकर रह जाना ' मुहावरे का उदाहरण सहित वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

प्र . 12 'चिराग तले अंधेरा होना ' मुहावरे का सही भावार्थ लिखिए ।

प्र . 13 'हर समय काम में जुटे रहना ' वाक्य का सही मुहावरा लिखिए ।

प्र . 14 ' दातों तले उँगली दबाना ' मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

प्र . 15 'बडी विपत्ति आना ' वाक्य का मुहावरे में प्रयोग कीजिए ।

प्र . 16 ''करनीय '' शब्द में प्रत्यय है , लिखिए

प्र . 17 कृत प्रत्यय की विशेषता लिखिए

प्र . 18 आजीवन , दुर्भाग्य में प्रयुक्त उपसर्ग बताइए ।

प्र . 19 'कूल' , प्रत्यय लगाकर शब्द बनाइए ।

प्र . 20 किन्ही दो 'ता' के प्रत्यय लिखिए ।

प्र . 21 अकाज, अचेत में उपसर्ग बताइए ।

प्र . 22 'आकू ' प्रत्यय से शब्द बताइए।

प्र . 23 'मिलावट' शब्द से प्रत्यय व मूल शब्द अलग कीजिए

प्र . 24 संस्कृत के कोई दो उपसर्ग लिखिए ।

प्र . 25 अतिप्रिय अतिरिक्त शब्दो में से उपसर्ग अलग कीजिए।

प्र . 26 कृदंत प्रत्यय व तद्धित प्रत्यय के कोई दो–दो उदाहरण दीजिए

प्र . 27 सजावट, मिलावट, लिखावट, में प्रत्यय बताइए ।

प्र . 28 कर्मवाचक कृत प्रत्यय की परिभाषा लिखिए।

प्र . 29 सामाजिक, मानसिक, शब्दों में प्रत्यय बताइए ।

उपसर्ग / प्रत्यय

प्र . 1 'बुद्धिमान शब्द में प्रत्यय अलग कीजिए ।

© ISCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र . 2 'डाक खाने' शब्द में कौनसी भाषा का प्रत्यय है ।

प्र . 3 'प्रतिक्षण में' उपसर्ग लिखिए ।

प्र . 4 'निर' उपसर्ग लगाकर दो शब्द बनाइये ।

प्र . 5 'स्पर्श' शब्द को विलोमार्थक बनाने के लिए किस उपसर्ग का प्रयोग करेंगे?

प्र . 6 व्यवस्था से पूर्व कौनसा उपसर्ग लगाएँ कि उसका अर्थ विपरीत हो जाए?

प्र . 7 'अनुज' शब्द को स्त्रीवाचक बनाने के लिए किस प्रत्यय का प्रयोग करेंगे ।

प्र . 8 कृदन्त प्रत्यय किन शब्दों के साथ जुड़ते है ?

प्र . 9 हिन्दी में कृत प्रत्ययों की संख्या कितनी है ?

प्र . 10 जो धातु या शब्द के अन्त में जोड़ा जाता है , उसे क्या कहते है ?

प्र . 11 'आरक्षण' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग लिखिए।

सन्धि / समास

प्र . 1 'मनोबल' शब्द में सन्धि बताइए व सन्धि–विच्छेद कीजिए ।

प्र . 2 संधि शब्द का सही संधि–विच्छेद शब्द है ।

प्र . 3 स्वर संधि के किन्हीं दो उदाहरणों को लिखिए ।

प्र . 4 'राकेश' शब्द का सही संधि–विच्छेद कीजिए ।

प्र . 5 'उत् + ज्वल' विग्रह से सही संधि लिखिए ।

प्र . 6 'उत् + हार के योग से सही संधि लिखिए ।

प्र . 7 'विद्यालय' शब्द का सही संधि–विच्छेद कीलिए।

प्र . 8 आत्मा + उत्सर्ग के योग से किस शब्द का निर्माण होगा ?

प्र . 9 विसर्ग संधि के कोई दो उदाहरण लिखिए।

प्र . 10 गुण संधि की परिभाषा बताइए।

प्र . 11 अ आ आ के मेल से बने दीर्घ संधि के कोई दो उदाहरण लिखिए ।

प्र . 12 समास का शाब्दिक अर्थ लिखिए ।

© SCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र . 13 साग–पात में कौनसा समास होगा

प्र . 14 कन्यादान का समास विग्रह कीजिए व समास का नाम बताइए ।

प्र . 15 'बहुब्रीदी समास के कोई दो उदाहरण लिखिए ।

प्र . 16 विशेषण और विशेष्य के योग से कौनसा समास बनता है ।

प्र . 17 देशांतर शब्द में कौनसा समास है , लिखिए

प्र . 18 जिस समास में दोनों पद अप्रधान होते है वहाँ कौनसा समास होता है ।

प्र . 19 अव्ययी समास का एक उदाहरण 'यथाशक्ति' का सही विग्रह क्या होगा ?

प्र . 20 समास के मुख्यतः छः भेद के नाम लिखिए

प्र . 21 बहुब्रीही व द्विगु समास में अन्तर बताइए

प्र . 22 'शाखामृग' शब्द में कौनसा समास होगा बताइए ।

प्र . 23 त्रिफला में कौनसा समास होगा ?

© RSCERT
NOT TO BE REPUBLISHED

(गंद्याश)

1. निम्नलिखित अपठित गंद्याश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

देश प्रेम क्या है ? प्रेम ही तो है। इस प्रेम का आलंबन क्या है ? सारा देश अर्थात मनुष्य , पशु , पक्षी , नदी , नाले , वन पर्वत सहित सारी भूमि यह प्रेम किस प्रकार का है ? यह साहचर्यगत प्रेम है । जिनके बीच हम रहते है , जिन्हे बराबर आखों से देखते है , जिनका हमारा हर घड़ी का साथ रहता है , सारांश यह है कि जिनके साभिध्य का हमें अभ्यास पड़ जाता है, उनके प्रति लोभ या राग हो सकता है। देश–प्रेम यदि वास्तव में अंतः करण का कोई भाव है तो यही हो सकता है। यदि यह नहीं है तो वह कोरी बकवास या किसी और भाव के संकेत के लिए गढ़ा हुआ शब्द है । यदि किसी को अपने देश से सचमुच प्रेम है तो उसे अपने देश के मनुष्य, पशु , लता , गुल्म , पेड़ , वन , पर्वत , नदी , निर्झर आदि सबसे प्रेम होगा ,वह सबको छाह भरी दृष्टि से देखेगा; वह सबकी सुध करके विदेश में आँसू बहाएगा जो यह भी नही जानते कि कोयल किस चिड़िया का नाम है , जो यह भी नहीं जानते कि चातक कहाँ चिल्लाता है , जो यह भी आँख भर नहीं देखते कि आम प्रणय–सौरभपूर्ण मंजरियों से केरते लदे हुए है । जो यह भी नहीं झाँकते कि किसानों के झोंपड़ी के भीतर क्या हो रहा है , वे यदि बस बने–ठने मित्रों के बीच प्रत्येक भारतवासी की औसत आमदनी का परता बताकर देश–प्रेम का दावा करें तो उनसे पूछना चाहिए कि भाइयो ! बिना रूप परिचय का यह प्रेम कैसा।

प्र . 1 उपर्युक्त गधांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए ।
प्र . 2 किनसे प्रति लोग या राग हो सकता है ।
प्र . 3 इस प्रेम का आलंबन क्या है ।
प्र . 4 कौन सबकी सुध करके विदेश में आँसू बहाएगा
प्र . 5 कोरी बकवास या किसी और भाव के संकेत के लिए गढ़ा हुआ शब्द कौनसा है ।

निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(1) आधुनिक काल में भी नारी एक बार फिर से अपनी पूरी क्षमता , शक्ति और साहस के साथ समाज में दिखायी देनें लगी है । शक्ति के प्रचार–प्रसार से वह पूरी तरह आत्मविश्वास से भर गई । आप आजादी की लडाई का उदाहरण ही लीजिए । भीकाजी काया , सरोजिनी नायडू , अरूणा आसफ अली , कैप्टन लक्ष्मी

© KSEEB NOT TO BE REPUBLISHED

सहगल आदि बहुत सारे नाम आपके जेहन में आते जायेंगे। गाँधी जी के एक आहान के लिए संघर्ष करने निकल पड़ी । चाहे वो गाँव की हों , छोटे कस्बे की हों, शहर की हों , या महानगर की हों , चाहे वे पढ़ी लिखी हों, चाहे गरीब हों या अमीर, सभी वर्गो की नारियाँ पुरूषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आजादी की लड़ाई में घर से बाहर निकल पड़ी थी।

प्र . 1 शिक्षा के प्रचार–प्रसार से नारी का स्वरूप बना–

(क) सहनशील (ख) आत्मविश्वास

(ग) साहसी (घ) संवेदनशील ( )

प्र . 2 किसके कहने से महिलाएँ घर–बार छोड़ आजदी लड़ाई के लिए निकल पड़ीं ?

(क) सुभाष चन्द्र बोस (ख) जवाहर लाल नेहरू

(ग) गाँधी जी (घ) इन्दिरा गाँधी ( )

प्र . 3 आजादी की लड़ाई में शामिल हुई

(क) कैप्टन लक्ष्मी (ख) कैप्टन नीरजा

(ग) किरण बंदी (घ) लता मंगेशकर ( )

प्र . 4 वर्तमान नारी में समहित गुण हैं

(क) क्षमता (ख) साहस

(ग) शक्ति (घ) उपर्युक्त सभी ( )

प्र . 5 पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आजादी की लड़ाई में साथ दिया –

(क) शहर की नारी ने (ख) अमीर वर्ग की नारी ने

(ग) पढ़ी–लिखी नारी ने (घ) उपर्युक्त सभी ने ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(2) देश–प्रेम क्या है? प्रेम ही तो है। इस प्रेम का आलम्बन क्या है ? सारा देश अर्थात् मनुष्य पशु , पक्षी , नदी , नाले , वन–पर्वत सहित सारी भूमि । यह प्रेम किस प्रकार का है ? यह साहचर्यगत प्रेम है , जिनके मध्य हम रहते हैं , जिन्हे बराबर आँखों से देखते हैं , जिनकी बातें बराबर सुनते हैं जिनका और हमारा हर घडी का साथ रहता है , जिनके सान्निध्य का हमें अध्यास हो जाता है , उनके प्रति लोभ या राग हो सकता हे । देश–प्रेम यदि वास्तव में अन्तः करण का कोई भाव है तो यही हो सकता है ।

(1) देश–प्रेम का आलम्बन माना गया है –

(क) पशु–पक्षी (ख) नदी–नाले

(ग) सम्पूर्ण पृथ्वी (घ) उपर्युक्त सभी ( )

(2) देश–प्रेम किस कोटि को माना जाता है ?

क) साहचर्यगत (ख) असाहचर्यगत

(ग) क और ख दोनों (घ) इनमें कोई नहीं ( )

(3) सान्निध्य से उत्पन्न होता है

(क) क्रोध–उपेक्षा (ख) नदी–नाले

(ग) नफरत–हिंसा (घ) आकर्षण–उपेक्षा ( )

(4) देशा प्रेम वास्तव में भाव माना जाता है

(क) अन्तः करण का (ख) नदी–नाले

(ग) क और ख दोनों का (घ) इनमें कोई नहीं ( )

(5) साहचर्यगत प्रेम की क्रियाएँ हैं।

(क) साथ रहना (ख) नदी–नाले

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(ग) बराबर सुनना (घ) उपर्युक्त सभी ( )

(3) भारतवर्ष पर प्रकृति की विशेष कृपा रही है । यहाँ सभी ऋतुएँ अपने समय पर आती हैं और पर्याप्त अधिकार काल तक ठहरती है । ऋतुएँ अपने अनुकूल फल–फूलों का सृजन करती हैं । धूप और वर्षा के समान अधिकार के कारण यह भूमि शस्यश्यामला हो जाती है । यहाँ का नगाधिराज हिमालय कवियों को सदा से प्रेरणा देता आ रहा है और यहाँ की नदियाँ भी मोक्षदायिनी समझी जाती रही है । यहाँ कृत्रिम धूप और रोशनी की आवश्यकता नहीं पडती । भारतीय मनीषी जंगल मे रहना पसन्द करते थे। प्रकृति–प्रेमी के ही कारण यहाँ के लोग पत्तो में खाना पसन्द करते है । वृक्षों में पानी देना एक धार्मिक कार्य समझते हैं । सूर्य और चन्द्र दर्शन नित्य और नैमित्तिक कार्यो में भी शुभ माना जाता है ।

पारिवारिकता पर हमारी संस्कृत में विशेष बल दिया गया है । भारतीय संस्कृति में विशेष बल दिया गया है । इसलिए हमारे यहाँ शोकान्त नाटकों का निषेध है । अतिथि को भी देवता माना गया है ' अतिथि देवो भव ' ।

1. भारतीय संस्कृति में विशेष बल दिया जाता है

(क) धर्म पर (ख) इतिहास पर

(ग) परिवार पर (घ) समाज पर ( )

2. ' अतिथि देवो भव ' मूलतः किस देश की संस्कृति मानी जाती है ?

(क) श्रीलंका (ख) मॉरीशस

(ग) भूटान (घ) भारत ( )

3. भारतीय संस्कृति में नैमितिक कार्यो में शुभ माना जाता है

(क) शनि–राहु (ख) सूर्य–चन्द्र

(ग) मंगल–बृहस्पति (घ) शुक्र–बुध ( )

4. भारत में योक्षदायिनी स्वरूप माना गया है

(क) पर्वतों का (ख) भैदानों का

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(ग) नदियों का (घ) पेड़–पौधो का ( )

5. सदैव कवियों का प्रेरणास्रोत माना जाता है

(क) गंगानदी (ख) इतिहास पर

(ग) सूर्य–चन्द्र (घ) तारा–नक्षत्र ( )

(4) उपासना की दृष्टि से कई लोग काफी बढ़े–चढ़े होते है । यह प्रसन्नता की बात है कि जहाँ दूसरे लोग भगवान को बिल्कुल ही भूल बैठे है , वहाँ वह व्यक्ति ईश्वर का स्मरण तो करता है, औरों से तो अच्छा है । इसी प्रकार जो बुराइयों से बचा है , अनीति और अव्यपस्था नहीं फैलाता , संयम , और मर्यादा में रहता है , वह भी भला है । उसे बुद्धिमान कहा जाएगा , क्योंकि दुर्बुद्धि को अपनाते से जो अगवित विपत्तियों उस पर टूटने वाली थीं, उनसे बच गया । स्वय भी उद्विग्न नहीं हुआ और दूसरो को विक्षुवध न करने की भलमनसाहत बरतता रहा । यह दोनों ही बातें अच्छी है। ईश्वर का नाम लेना और भलमनसाहत में रहना , एक अच्छे मनुष्य के लिये कार्य है । उतना तो हर समझदार आदमी को ही चाहिये था। जो उतना ही करता है, उसकी उतनी तो प्रंशसा की ही जाएगी कि उसने अनिवार्य कर्तव्यों की उपेक्षा नहीं की और दुष्ट–दुरात्माओं की होने वाली दुर्गति से अपने को बचा लिया ।

1. बुद्धिमान कौन है ?

(क) ईश्वर का स्मरण करने वाले (ख) संयमी और मर्यादित

(ग) अन्याय,अव्यवस्था से दूर रहने वाला (घ) उपर्युक्त सभी ( )

2. एक समझदार आदमी को क्या नहीं करना चाहिए

(क) अनीति और अव्यवस्था फैलाना (ख) संययी और मर्यादित

(ग) भलमनसाहत से रहना (घ) सयंम और मर्यादा में रहना ( )

3. ईश्वर का नाम लेना और भलमनसाहब से रहना ,योग्य कार्य है

(क) बुरे मनुष्य के लिए (ख) अच्छे मनुष्य के लिए

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(ग) अच्छे–बुरे मनुष्य के लिए (घ) क , ख , ग तीनों के लिए ( )

4. बुराइयों से बचने वाला कहलाता है

(क) बुद्धिमान (ख) समझदार

(ग) औरों से अच्छा (घ) उपर्युक्त सभी ( )

5. किस मनुष्य की प्रशंसा नहीं की जानी चाहिए ?

(क) जिसनें कर्तव्यों की उपेक्षा की (ख) जो उपासना करता है

(ग) जो ईश्वर–स्मरण करता है (घ) जो संयम में रहता है ( )

(5) गाँधीजी का कहना था कि जिस तरह केवल मध्यवर्ग की माली हालत सुधारने से देश का दुःख दूर नहीं होगा उसी तरह शहर में पायी जाने वाली दरिद्रता दूर करने सारे राष्ट्र की दरिद्रता नहीं होगी । देश के लाखों गाँवों में जो करोड़ो लोग बसे हुए है , जिनकों बेकारी में रहना पड़ता है , उनके उद्योग देकर उनके पेट की आग थोड़ी भी दूर कर सके , तो दु : ख निवारण का सच्चा प्रारम्भ होगा । सैकड़ों वर्षो से जिन करोड़ो की उपेक्षा हो रही है , उनके दु : ख निवारण से प्रारम्भ करना होगा। और वह भी'' भिखारी को अन्नदान'' के रूप में नहीं, बल्कि ''बेकारों को उद्योग '' द्वार रोजी मिले , ऐसा व्यवहार्य और आबरूदार उपाय होना चाहिए ।

गाँधीजी का सारा जोर कौशलयुक्त परिश्रम को सार्वधिक करने पर था । जो आदमी परिश्रम टालता है , वह बड़ा धर्मात्या साधु–संन्यासी क्यों न हो , उनका जीवन निष्पाप नही हे , जो भी आदमी शरीर–श्रम के बिना जीता है वह श्रमजीवी लोगों का शोषण करता ही है , और शोषण ही सबसे बडा'' मानवता व्यापी पाप , गुण्डापन और द्रोह'' है । यह था गाँधीजी का सिद्धान्त ।

1. बेकारी की समस्या को दूर किया जा सकता है?

(क) अन्न देकर (ख) उद्योग देकर

(ग) वस्त्र देकर (घ) धन देकर ( )

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

2. गाँधीजी के अनुसार राष्ट्र की दरिद्रता दूर होगी ?

(क) गरीबों के लिए भवन बनवाकर (ख) गरीबों को राशन–पानी देकर

(ग) रोजगार दिलवाकर (घ) वित्तीय सहायता करके ( )

3. ''बेकारों को उद्योग'' से आशय है

(क) बेकार है जो उद्योग (ख) बिना कार के उद्योग

(ग) बिना कार्य के उद्योग (घ) बिना रोजगार वालो को उद्योग ( )

4. गाँधीजी किस बात पर बल देते थे

(क) मानवताव्यापी पाप (ख) कौशलयुक्त परिश्रम

(ग) गुण्डापन और द्रोह (घ) भिखारी को अन्नदान ( )

5. सैकड़ो वर्षो से जिन ''करोड़ों'' का उपेक्षा हो रही है , यहाँ करोड़ों से आशय है

(क) शहरी मध्यवर्ग (ख) ग्रामीण स्वरोजगार

(ग) शहरी उच्चवर्ग (घ) ग्रामीण बेरोजगार ( )

6. सामान्यतः ईश्वर के दो रूप माने गए हैं सगुण एंव निगुर्ण । जब परमात्मा को निराकार, अज , अनादि, सर्वव्यापी , गुणातीत , अगोचर , सूक्ष्म मानकर उसकी विवेचना की जाती है तब उसे निर्गुण ब्रह्म कहा जाता है और जब वही ब्रह्म सगुण , साकार रूप धारण कर नर शरीर कर नाना प्रकार के कृत्य करता है तब उसे सगुण परमात्मा के रूप में जाना जाता है । सामातिक उपयोगित की दृष्टि से सगुण भक्ति को निर्गुण भक्ति की अपेक्षा महत्वपूर्ण माना जा सकता है , किन्तु केवल इसी कारण से निर्गुण व्यक्ति की उपेक्षा नहीं की जा सकती । तत्कालीन परिस्थितियों में सगुणोपासक भक्त कवियों का सारा ध्यान इस और केन्द्रित था कि हिन्दु समाज के विभिन्न घटकों को संगठित करने का कार्य किया । दूसरी और निर्गुणोपासक कवियों की दृष्टि हिन्दू समाज को ही नहीं अपितु सम्पूर्ण भारतीय समाज को एकता

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

के सूत्र में पिरोने की ओर लगी हुई थी । वे हिन्दु और मुसलमान का भेद भुलाकर के उदात मूल्यों की स्थापना में लगे हुए थे ।

1. सामान्यतः ईश्वर के रूप माने गए हैं ?

(क) एक (ख) दो

(ग) तीन (घ) चार ( )

2. निगुर्ण ब्रह्म कहा जाता है ?

(क) गुणातीत को (ख) अगोचर को

(ग) अनादी को (घ) चार ( )

3. जब ब्रह्म आकार धारण कर नाना प्रकार के कृत्य करता है, कहलाता है ।

(क) सगुण ब्रह्म (ख) निर्गुण ब्रह्म

(ग)सगुण और निर्गुण ब्रह्म (घ) इनमें से कोई नहीं ( )

4. निर्गुणोपासक भक्त कवियों का ध्यान केन्द्रित था

(क) हिन्दू समाज को विघटन और उत्पीडन से बचाने में

(ख) हिन्दू समाज के विभिन्न समूहों को इकळा करने में

(ग) हिन्दू मुसलमान का भेद भुलाकर एक करने में

(घ) इनमें से सभह कृत्य करने में

5. सगुण भक्ति को निर्गुण भक्ति की अपेक्षा महत्वपूर्ण माना जाता है

(क) आर्थिक दृष्टि से (ख) एकतिहासिक दृष्टि से

(ग) धार्मिक दृष्टि से (घ) सामाजिक दृष्टि से ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

6 सभी धर्म हमें एक ही ईश्वर तक पहुँचाने के साधन है । अलग–अलग रास्तों पर चलकर भी हम एक ही स्थान पर पहुँचते है । इनमें किसी को दुःख नहीं होना चाहिए । हमें सभी धर्मो के प्रति समान भाव रखना चाहिए। दूसरो धर्मो के प्रति अंधता मिटती हैं। इसमें हमारा प्रेम अधिक ज्ञानमय और पवित्र बनता है । यह बात लगभग असम्भव है कि इस पृथ्वी पर कभी भी एक धर्म रहा होगा या हो सकेगा। हमें ऐसे धर्म की आवश्यकता है जो विविध धर्मो में ऐसे तत्व को खोजे जो विविध धर्मो के अनुयायियों के मध्य सहनशीलता की भविना भी विकसित कर सके।

सत्य के अनेक रूप होते हैं । यह सिद्धान्त हमें दूसरो धर्मो को भली प्रकार समझने में मदद करता है । सात अंधो के उदाहरण में सभी अंधी हाथी का वर्णन अपने–अपने दंग से करते है। जिस अंधे को हाथी का जो अंग हाथ में आया, उसके अनुसार हाथी वैसा ही था। जब तक अलग–अलग धर्म मौजूद है तब तक उनकी पृथक् पहचान के लिए बाहरी चिह्न की आवश्यकता होती है। लेकिन ये चिह्न जब आडम्बर बताने का काम करने लग जाते है, तब त्यागने के योग्य हो जाते है

1. एक ही ईश्वर तक पहुँचाने का माध्यम है

(क) ज्ञान (ख) शिक्षा

(ग) धर्म (घ) दर्शन ( )

2. धर्म का क्षेत्र व्यापक बनता है

(क) द्वेषभाव रखने पर (ख) सयभाव रखने पर

(ग) प्रेमभाव रखने पर (घ) घृणाभाव रखने पर ( )

3. कौनसा कथन सत्य है

(क) सभी धर्म हमें अलग–अलग ईश्वर तक पहुँचाने के साधन है ।

(ख) सत्य का एक ही रूप होता है ।

(ग) सभी धर्मो के प्रति समान भाव रखने चाहिए ।

(घ) दूसरे धर्मो के प्रति द्वेष भाव रखने से धर्म का क्षेत्र व्यापक बनता है । ( )

4. धर्म त्यागने योग्य कब बनता है ?

(क) अपने धर्म को दूसरे धर्म से अलग बताने पर

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(ख) धर्म चिन्ह जब आडम्बर बन जाये ।

(ग) दूसरे धर्मो के प्रति समभाव न होने पर।

(घ) उपर्युक्त सभी ( )

5. सभी धर्मो के प्रति समभाव नहीं रखने से–

(क) धर्म का क्षेत्र के व्यापक बनता है।

(ख) प्रेम ज्ञानमय और पवित्र बनता है।

(ग) सहनशीलता की भावना विकसित होती हैं।

(घ) धर्म के प्रति अंधता नहीं मिटती है। ( )

गद्यांश

मनुष्य नाशवान प्राणी है वह जन्म लेने के बाद मरता अवश्य है । अन्य लोगों की भाँति महापुरूष भी नाशवान है । वे भी समय आने पर अपना शरीर छोड देते हैं, पर वे मरकर भी अमर हो जाते हैं। वे अपने पीछे छोडे गए कार्य के कारण अन्य लोगो द्वारा याद किए जाते हैं । उनके मे कार्य चिरस्थायी होते है और समय के साथ–साथ परिमाण और बल में बढ़ते जाते है ऐसे कार्य के पीछे जो उच्च आदर्श होते है, वे स्थायह होते हैं और बदली परिस्थितियों में नयें वातावरण के अनुसार अपने को ढ़ाल लेते हैं। संसार ने पिछली पच्चीस शताब्दियों से भी अधिक में जितने भी महापुरूषों को जन्म दिया है, उनमें गाँधीजी को यदि आज भी नही माना जाता तो भी भविष्य में उन्हें सबसे बड़ा माना जाएगा, क्योकि उन्होंने अपने जीवन की गतिविधयों को विभिन्न भागों में नही बाँटा , बल्कि जीवनधारा को सदा एक ओर अविभाज्य माना । जिन्हें हम सामाजिक, आर्थिक, और नैतिक के नाम से पुकारते हैं वे वास्तव में उसी धारा की उपधारा है

1. यह जीवन है

(क) अजर (ख) नाशवान

(ग) अमर (घ) क और ग ( )

2. जिन कार्यो के पीछे आदर्श होते हैं–

(क) स्थायी होते है (ख) क्षणभंगुर होते है

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(ग) नाशवान होते है (घ) अल्पकालिक होते है ( )

3. भविष्य में सबसे बडे महापुरूष के रूप में याद किया जाएगा।

(क) गाँधी जी (ख) नेहरू जी

(ग) विवेकानन्द जी (घ) दयानन्द सरस्वती ( )

4. उचित कार्य के प्रति निष्ठा का सन्देश किसने दिया –

(क) अब्राहन लिंकन (ख) विवेकानन्द जी

(ग) गाँधीजी (घ) वल्लभभाई पटेल ( )

5. 'बापू' के नाम से किसे सम्बोधित किया है

(क) गाँधी जी (ख) गोखले जी

(ग) टेगोर जी (घ) नेहरू जी ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

क्षैतिज–रचनाकार का परिचय

प्र . 1 महाकवि सूरदास का जीवन परिचय लिखिए।

प्र . 2 तुलसीदास का व्यक्तिव एंव कृतित्व का परिचय दीजिए।

प्र . 3 जयशंकर प्रसाद का जीवन परिचय लिखिए।

प्र . 4 सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला का जीवन परिचय देते हूए कृतित्ष लिखिए।

प्र . 5 नागार्जुन का जीवन परिचय लिखिए।

प्र . 6 गिरिजा कुमार माथुर का संक्षेप में परिचय दीजिए।

प्र . 7 ऋतुराज की रचनाओं का परिचय देते हुए जीवन परिचय लिखिए।

प्र . 8 लखनवी अंदाज कहानी के लेखक यशपाल का जीवन परिचय दीजिए।

प्र . 9 स्वयं प्रकाश का कृतित्व व व्यत्वि का परिचय लिखिए।

प्र . 10 रामवृक्ष बेनीपुरी का जीवन परिचय दीजिए।

प्र . 11 लेखिका मनु भंडारी के कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए जीवन परिचय का संक्षिप्त रूप लिखिए।

प्र . 12 'नौबत खाने में इबादत' के लेखक यतीन्द्र मिश्र का जीवन परिचय दीजिए।

© ISCERT NOT TO BE REPUBLISHED

निबन्धात्मक प्रश्न

क्षितिज

1. पाठ्यपुस्तक में आए पदों के आधार पर सूरदास के भ्रमरगीत की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।
2. सूरदास की गोपियाँ बातचीत करनें में अत्यन्त कुशल एंव तर्कशील हैं। पाठ्यपुस्तक में पढ़े पदो ंके आधार पर इस कथन को समझाइए ।
3. उद्धव ने गोपियों को अपने संदेश में कौन–कौनसी बातें कही? पढ़े गए पदो ंके साथ अपने अनुसार से बताइए।
4. तुलसीदास के राम–लक्ष्मण संवाद की मुख्य बातों को शब्दों में लिखिए।
5. पाठ के आधार पर तुलसीदास की भाषा की प्रमुख विशेषताएँ बताइए ।
6. लक्ष्मण व परशुराम की बातचीत में आपके किन–किन बातों ने प्रभावित किया? विस्तार से लिखिए।
7. 'तुलसीदास की रामचरितमानस सर्वाधिक पढ़ी जाने वाली रचना है।' इस कथन के आधार पर तुलसी के काव्य सौन्दय को पठित चौपाइयों के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।
8. प्रसाद की कविता 'आत्मकथ्य' के भावों को विस्तार से समझाइए।
9. जयशंकर प्रसाद ने अपने जीवन के बारे में 'आत्मकथ्य' में लिखा है। आप भी अपने जीवन के बारे में लिखिए।
10. निराला की कविता की विशेषताओं को 'अट नही' रही है व 'उत्साह' कविताओं के आधार पर समझाइए।
11. 'अट नहीं रही है' कविता का भाव विस्तारपूर्वक अपने शब्दों में लिखिए।
12. निराला की 'उत्साह' कविता में कवि ने 'बादलों' के बारे में अपने भाव व्यक्त किस है। आप भी प्रकृति की किसी पसन्दीदा स्थिति पर विस्तार से अपने भाव व्यक्त कीजिए।
13. 'यह दंतुरित मुसकान' कविता का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।
14. आप भी किसी न किसी बच्चे से अवश्य मिले होंगे। जिस बच्चे के हाव–भाव ,व्यावहार , रूप आदि ने आपको सर्वाधिक प्रभावित किया; उस अनुभव को एक अवतरण में लिखिए।

© NCERT not to be republished

15. नागार्जुन की कविता 'यह दंतुरित मुसकान ' व 'फसल' कविताओं का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

16. गिरिजाकुमार माथुर की कविता 'छाया मत छूना' को भाव सौन्दर्य के साथ भाषागत विशेषताओं से समझाइए ।

17. ऋतुराज की कविता 'कन्यादान' को पढ़कर आपके मन में जो भाव एंव विचार पैदा होते हैं, उन्हें विस्तार से लिखिए।

18. ' कन्यादान' अध्याय में माँ ने जो बेटी सीखा दी क्या वो आपकी नजरों में सही है विस्तार से लिखिए।

गद्य खण्ड

प्रश्न 1. 'नेताजी का चश्मा' पाठ में आपको किस बात ने सर्वाधिक प्रभावित किया ? उसे लिखिए।

प्रश्न 2. 'नेताजी का चश्मा' पाठ के अनुसार नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगाने वाले व्यक्ति द्वारा चश्मा नहीं लगाए जाने के कारणों के बारे में लिखिए।

प्रश्न 3. 'हालदार' साहब नेताजी की मूर्ति को बार–बार देखते थे? आप बताइये कि 'हालदार' साहब मूर्ति को बार–बार क्यों देखते थे? और यह भी बताइए कि आप उनके स्थान पर होते तो क्या करते श

प्रश्न 4. आप अपने क्षेत्र में नेताजी की तरह किसकी मूर्ति लगवाना चाहेगे और क्यों?

प्रश्न 5. बालगोबिन भगत की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 6. बाल गोबिन भगत ने बेटे की मृत्यु के बाद उनकी संगीत साधन व पतोहू से ही आग दिलवाई इत्यादि प्रंसग का विस्तार से वर्णन कीजिए।

प्रश्न 7. बालगोबिन भगत का संगीत–साधन का चरम उत्कर्ष किस दिन देखा गया विस्तार से लिखिए।

प्रश्न 8.'भादो की वह अँधेरी अधरतिया में बाल गोबिन भगत के संगीत का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 9. ''लखनवी अंदाज'' अध्याय में पात्र नवाब साहब के शिष्टाचार , आदत, बातचीत का तरीका, व हाव–भावों को व्यक्त कीजिए।

प्रश्न 10. 'लखनवी अंदाज' में लेखक व नवाब साहब के यात्रा का वर्णन कीजिए ।

प्रश्न 11. नमक मिर्च छिडक दिए जाने से ताजे खीरे की पनियाती फाँकें देखकर मुह में पानी आ रहा कहानी को आधार बना कर लिखिए क्या इस तरह का वाक्या कभी आपके साथ हुआ यदि हूआ तो विस्तार से समझाइये ।

प्रश्न 12. ''लखनवी अंदाज'' निम्वघ पर विस्तार से लिखिए

प्रश्न 13. मनु भंडारी के अंदर हीन भावना व कुंठा को किस प्रकार से वो अपने पिता को जिम्मेदार मानति थी वर्णन कीजिए।

प्रश्न 14. मनु भंडारी का कोलेज के समय के व्यतिव पर प्रकाश डालिए

प्रश्न 15. 'एक कहानी यह भी में' मनुभण्डारी व उनके पिताजी के व्यक्तिव को समझाइये।

प्रश्न 16. 'एक कहानी यह भी ' कहानी का संक्षिप्त सार लिखिए व मनु भण्डारी का परिचय

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

लिखिए।

प्रश्न 17. 'नौबत खाने में इबादत' अध्याय के पात्र खाँ साहब के जीवन चरित्र का संक्षिप्त सार लिखिए।

प्रश्न 18. बिस्मिला खाँ काशी छोडकर अन्य क्यों नहीं जाना चाहते उनकी काशी को क्या देने भी विस्तार से समझाइये

प्रश्न 19. बिसमिल्ला खाँ की धार्मिक उदारता और समन्वयवादिता पर प्रकाश डालिए। ,

प्रश्न 20. यतीन्द्र मिक्ष का परिचय देते हुए उनके द्वारा रचित 'नौनतखाने में इबादत' अध्याय संदेश लिखिए।

काव्यांश

अपठित पद्यांश

निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

फूलो की राह पुरानी है,

स्वप्नों के पथ पर चरणो के

लालायित फिर भी चलने को

कितने ही चरण खडे होगें।

पर गैल अछूती शूलो की

जो चूमे वही जवानी है ,

जो लहू सींच कर बढते हैं

उनका ही कूच खानी है।

जीवन की चाह पुरानी है

मरने की चाह नई साथी

फूलों की राह पुरानी है

शूलो की राह नई साथी ।

प्र.1 'फूलो की राह पुरानी है, में 'राह पुरानी' से अशय है –

(क) पुराना रास्ता (ख) बनी–बनाई राह

(ग) स्वंय द्वारा बनाई राह (घ) औरो द्वारा बनाई राह ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र.2 'फूल' प्रतीक है–

(क) कोमलता का (ख) कठोरता का

(ग) संकटों का (घ) सुन्दर कल्पनाओं का ( )

प्र.3 'गैल अछूती' से तात्पर्य है–

(क) जिस रास्ते को किसी ने छूआ नही

(ख) रास्ता अछूता है

(ग) जिस रास्तें पर आज तक कोई गया नही

(घ) जो गीला , अछूत रास्ता है। ( )

प्र. 4 ' जो लहू सींच कर बढ़ते है , किसके लिए कहा गया है–

(क) साहसी (ख) वीर

(ग) पराक्रमी (घ) उपर्युक्त सभी ( )

प्र.5 'कूच करना' मुहावरे का अर्थ है–

(क) भाग जाना (ख) कुछ नया करना

(ग) प्रस्थान करना (घ) रूके रहना ( )

चाह नही , मै सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊ
चाह नहीं, सम्राटों के शव पर
हे हरि ! डाला जाऊँ
चाह नहीं , देवो के सिर पर
चढूँ भाग्य पर इठलाऊँ
मुझे तोड लेना वनमाली

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

उस पथ पर तुम देना फेंक

मात्भूमि पर शीश चढ़ाने

जिस पथ पर जाएँ वीर अनेक।

प्र.1 कवि किसकी इच्छा का वर्णन कर रहे हैं–

(क) पेड़ (ख) तितली

(ग) पुष्प (घ) वनमाली ( )

प्र.2 पुष्प की अभिलाषा है–

(क) सुन्दरी के वालो में सजना (ख) सम्राटो के शवो पर चढाया जाना

(ग) ईश्वर के ऊपर अर्पित करना (घ) वीरो के रास्ते में सजना ( )

प्र 3 इन पक्तियों में पुष्प की कौनसी भावना व्यक्त होती है?

(क) सौन्दर्य प्रेम (ख) राष्ट्र प्रेम

(ग) ईश्वर प्रेम (घ) श्रृंगार प्रेम ( )

प्र. 4 'चाह नही देवों के सिर पर इठलाऊँ' में 'चाह' का अर्थ है–

(क) इच्छा (ख) अभिलाषा

(ग) कामना (घ) उपर्युक्त सभी ( )

प्र.5 कौनसा कथन सत्य है

(क) पुष्प श्रृंगार में सजना चाहता है ।

(ख) पुष्प देवों के सिर पर चढ़ कर इठलाना चाहता है।

(ग) पुष्प सम्राटों की शव–यात्रा में बिखरना चाहता है।

(घ) वीरों के पद–मार्ग में देश की खातिर बिखरना चाहता है। ( )

पावस ऋतु थी पर्वत प्रदेश

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

पल पल परिवर्तित प्रकृति–वेश!

मे खलाकर पर्वत अपार

अपने सहस्र–दृग सुमन फर

अवलोक रहा है बार–बार

नीचे जल में निज महाकार

जिसके चरणों में पडा ताल

दर्पण–सा फैला है विशाल !

गिरि का गौख गाकर झर–झर

मद में नस नस उत्तेजित कर

मोती की लड़ियों से सुन्दर

झरते है झाग भरे निर्भर!

प्र.1 'पावस ऋतु थी , पर्वत प्रदेश' पर्वत पर कौनसी ऋतु का वर्णन हुआ है ?

(क) ग्रीष्म ऋतु (ख) वर्षा ऋतु

(ग) शीत ऋतु (घ) हिम ऋतु ( )

प्र.2 'मेखलाकर पर्वत अपार ' किस पर्वतमाला का वर्णन हुआ है?

(क) मलसगिरि (ख) हिमालय

(ग) चित्रकूट (घ) नीलगिरी ( )

प्र. 3 'आपने सहस्त–दृग–सुमन फार ' में सहस्त का अर्थ है–

(क) सौ (ख) हजार

(ग) दस हजार (घ) हजारो (अगणित) ( )

प्र.4 हिमालय से कौनसी पवित्र नदी का उद्‌गम होता है ?

@RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(क) यमुना (ख) गंगा

(ग) गोदावरी (घ) नर्मदा ( )

प्र .5 'झरते हैं झाग भरे निर्झर ' में 'निर्झर' से आशय है–

(क) झरना (ख) झर–झर

(ग) बिना झरे (घ) निर्जल ( )

यह सच है तो अब लौट चलो तुम घर को।
चौंकं सब सुनकर अटल कैकेयी–स्वर को।
सब ने रानी की ओर अचानक देखा ,
वैधव्य–तुषारावृता यथा विधु–लेखा।
बैठी थी अचल तथापि असंख्य तंरगा।
वह सिंही अब थी हहा! गौगुखी गंगा।

हाँ जानकर भी मैंने न भरत को जाना ,
सब सुन लें तुमने स्वंय अभी यह माना।
यह सच है तो फिर लौट चलो घर भैया,
अपरधिन मैं हूँ तात , तुम्हारी मैया ।
दुर्बलता का ही चिह्न विशेष शपथ है ,
अब अबला जन के लिए कौनसा पथ है?

प्र. 1 'गौमुखी गंगा' कहकर इसे इसे इंगित किया गया है–

(क) कौशल्या (ख) कैकेयी

(ग) सीता (घ) सुमित्रा ( )

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र. 2 अब लौटे चलो तुम घर को' में किसे घर लौटने को कहा जा रहा है ?

(क) राम (ख) लक्ष्मण

(ग) भरत (घ) शत्रुध्न ( )

प्र.3 'विधु–लेखा' में 'विधु' से आशय है–

(क) चाँद (ख) सूरज

(ग) पृथ्वी (घ) तारे ( )

प्र.4 दुर्बलता का विशेष चिह्न किसे बताया गया है?

(क) कसम (ख) सौगन्ध

(ग) शपथ (घ) उपर्युक्त सभी ( )

प्र.5 'बैठी थी अचल तथापि असंख्यक तंरगा' की प्रतीकात्मक अर्थ है –

(क) हजारों लहरें (ख) हजारों लोग

(ग) हजारों तरगें (घ) इनमे से कोई नहीं ( )

सबसे विराट जनतंत्र जगत का आ पहुँचा ,

तैंतीस कोटि–हित सिंहासन तैयार करोः

अभिषेक आज राजा का नहीं , प्रजा का है ,

तैंतीस कोटि जनता के सिर पर मुकुट धरो।

आरती लिए तू किसे ढूँढता है मूरख

मन्दिरों , राजप्रासादों में , तहखानों में ?

देवता कही सडको पर मिट्टी तोड रहे ;

देवता मिलेंगें खेतो में , खलिहानों में।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

फावडे और हल राजदण्ड बनने को है।

धूसरता सोने से श्रृंगार सजाती है;

छो राह समय के रथ का घर्घर–नाद सुनो,

सिंहासन खाली करो कि जनता आती है।

प्र.1 कवि सिंहासन पर किसे बैठाने की बात कहते हैं?

(क) राजतंत्र (ख) जनतंत्र

(ग) लोकतंत्र (घ) ख और ग ( )

प्र.2 खेतों और खलिहानों में कौन मिलेगा ?

(क) आदमी (ख) देवता

(ग) किसान (घ) खेती ( )

प्र.3 'समय के रथ का घर्घर–नान सुनो' से कवि किस समय की बात कर रह है

(क) परिवर्तन का (ख) बदहाली का

(ग) खुशहाली का (घ) जाग्रति का ( )

प्र.4 कवि किसका अभिषेक करवा रहे हैं ?

(क) राजा (ख) प्रजा

(ग) राजकुमारी (घ) कोई नहीं ( )

प्र.5 'सिंहासन खाली करो कि जनता आती हैं–सिंहासन पर किसका शासन था

(क) राजाओं का (ख) अंग्रेजों का

(ग) जमींदारों का (घ) उपर्युक्त सभी ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

शब्दों की दुनिया में मैंने

हिन्दी के बल अलख जगाए।

जैसे दीप–शिखा के बिरवे

कोई ठण्डी रात बिताये ।।

जो कुछ हूँ हिन्दी से हूँ मैं

जो हो लूँ हिन्दी से हो लूँ ।

हिन्दी सहज क्रान्ति की भाषा

यह विप्लव की अकथ कहानी।

मै कॉले पर भारतेन्दु की ।

अमर विजय की अमिट निशानी ।।

शेष गुलामी के दागों को

ज्ब धोलूँ हिन्दी में धोलूँ ।।

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र.1 निम्न कविता में कवि का स्नेह या प्रेम किसके प्रति व्यक्त हुआ ?

(क) राष्ट्रभाषा (ख) राजभाषा

(ग) मातृभाषा (घ) हिन्दी ( )

प्र.2 कवि ने हिन्दी को किसकी भाषा बताया है?

(क) जोश की (ख) क्रान्ति की

(ग) युद्व की (घ) संग्राम की ( )

प्र.3 मैकाले अपना व्यक्तित्त्व किससे निर्मित बताता है?

(क) हिन्दी (ख) अंग्रजी

(ग) फ्रेंच (घ) जर्मन ( )

प्र.4 कवि अपना व्यक्तित्त्व किससे निर्मित बताता है ?

(क) देश से (ख) अंग्रेजी भाषा से

(ग) हिन्दी भाषा से (घ) क्रान्ति से ( )

प्र.5 'मैकॉले पर भारतेन्दु को अमर विजय' से तात्पर्य है–

(क) भारतेन्दु की जीत (ख) अंग्रंजी की जीत

(ग) हिन्दी की जीत (घ) देश की जीत ( )

बैरी दल पर ललकार गिरी ,
वह नागिन–सी फुफकार गिरी ।
था शोर मौत से बचो–बचो,
ललकार गिरी , तलवार गिरी ।।
पैढल से हथ–दल गज दल में ,
छप–छप करती वह निकल गई!
क्षण कहा गई कुछ पता न फिर ।
देखो चमचम वह निकल गई।।

क्षण–क्षण गई उधर गई
क्षण शोर हो गया किधर गई।
या प्रलय , चमकती जिधर गई।
क्षण शोर हो गया किधर गई।
क्या अजब विषैली नागिन थी

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

जिसके उसने में लहर नही।

उतरी तन से मिट गए वीर

फेला शरीर में जहर नहीं।।

प्र.1 'बैरी दल में ललकार गिरी ' में बैरी दल से तात्पर्य है–

(क) शत्रुओं का समूह (ख) बैर का समूह

(ग) मित्रों का समूह (घ) कोई भी नहीं ( )

प्र.2 'वह नागिन–सी फुफकार गिरी' में नागिन किसे बताया गया ?

(क) तलवार (ख) तीर

(ग) नागिन (घ) बिजली ( )

प्र.3 'पैदल से हम–दल गज से ' में हय दल से आशय है ?

(क) घोडो का समूह (ख) हाथियों का समूह

(ग) सर्पो का समूह (घ) हिरणो का समूह ( )

प्र.4 कवि ने तलवार की चमक किसके समान बताई है ?

(क) आँधी (ख) तूफान

(ग) बिजली (घ) प्रलय ( )

प्र.5 कवि ने किसकी प्रंशसा की है ?

(क) तलवार (ख) प्रलय

(ग) आँधी (घ) नागिन ( )

@RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्राण अन्तर में लिये , पागल जवानी।

कौन कहती है कि तू

विधवा हुइ खो आज पानी ।

चल रही घड़ियाँ

चले नभ के सितारे,

चल रही नदियाँ

चले हिम खण्ड प्यारे ।

चल रही है साँस

फिर तू ठहर जाए?

दो सदी पीछे कि

तेरी लहर आये?

पहन ले नर–मुण्ड माला

उठ स्वमुण्ड–सुमेर कर ले

भूमि–सा तू पहन बाना आज धानी

प्राण तेरे साथ हैं , उठ री जवानी।

प्र.1 कवि ने 'पागल जवानी' किस भाव के लिए प्रयुक्त किया है?

(क) वीरता (ख) जोश

(ग) साहस (घ) हिम्मत ( )

प्र.2 'विधवा हुई खो आज पानी ' में पानी से अभिप्राय है–

(क) इज्जत (ख) सम्मान

(ग) मर्यादा (घ) उपर्युक्त सभी ( )

प्र.3 'भूमि सा तू पहन बाना आज धानी' में कवि रगं का बाना पहनने को कहा है?

(क) हरा (ख) सुनहरा

(ग) पीला (घ) श्वेत ( )

प्र.4 कवि किसमें जोश भरने को प्ररित कर रहे है?

(क) नवयुवकों में (ख) प्रकृति में

(ग) आकाश में (घ) पाताल में ( )

प्र.5 'उठ स्वमुण्ड–सुमेर कर ले' में स्वमुण्ड' का अर्थ है–

© IESCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(क) स्वंय का सिर (ख) दुश्मनों का सिर

(ग) मित्रों का सिर (घ) शत्रुओं का सिर ( )

वह स्वंतत्रता कैसी है

व्ह कैसी है आजादी।

जिसके पद पर बच्चों ने

अपनी मुक्ता बिखरा दी।।

सहने की सीमा होती

सह सका न पीडा अन्तर

हा , सन्धि पत्र लिखने को

वह बैठ गया आसन पर ।।

कह सावधान रानी ने

राणा का थाम लिया कर ।

बोली अधीर पति से वह

कागद मसिपात्र छिपाकर

तू भारत का गोरव है

तू जननी सेवारत है।

सच कोई मुझसे पूछे

तो तू ही तू भारत है ।।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र.1 'जिसके पद पर बच्चों ने मुक्त बिखरा दी' में 'मुक्त' से आशय है–

(क) मुस्कान (ख) मोती

(ग) खिलौने (घ) मिठाई ( )

प्र.2 राणा किसकी पीडा सहन नही कर सका–

(क) प्रजा की (ख) स्वंय की

(ग) बच्चों की (घ) पत्नी की ( )

प्र.3 'कागज मसि पत्र छिपाकर ' में 'मसिपात्र' का क्या अर्थ है ?

(क) काला कागज (ख) स्याही की बोतल

(ग) कलम (घ) कोई नहीं ( )

प्र.4 'तू ही तू भारत है' में रानी ने किसे ' भारत कहा?

(क) महाराणा प्रताप (ख) विजय सिंह

(ग) संग्रामसिंह (घ) उदयसिंह ( )

प्र.5 ' हा, सन्धि पत्र लिखने को ' राणा किसे संधि पत्र लिख रहे थे?

(क) अंग्रजों को (ख) मुगलों को

(ग) अफगानों को (घ) तुर्को को ( )

अरूण यह मधुमय देश हमारा

जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा।

सरस तामरस गर्भ विभा पर–नाच रही तरूशिखा मनोहर।

छिटका जीवन हरियाली पर–मंगल कुंकुम सारा।

लघु सुरयधनु से पंख पसारे–शीतल मलय समीर सहारे।

उड़ते खड जिस और मुँह किए–समझ नीड़ निज प्यारा।

बरसाती आँखो के बादल–बनते जही भरे करूणा जल।

लहरे टकराती अनन्त की–पाकर जहाँ किनारा।

हम कुंभ ले ऊषा सवेरे–भरती ढलकाती सुख मेरे।

मन्दिर ऊँधते रहते–जब–जगकर रजनी भर तारा ।।

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र.1 'अरुण यह मधुमय देश हमारा' कवि किससे कह रहे हैं–

(क) युवक से (ख) चन्द्रमा से

(ग) सूर्य से (घ) विद्यार्थियों से ( )

प्र.2 कवि ने भारत देश की कौनसी विशेषता बतायी है?

(क) यह देश बहुत सुन्दर है।

(ख) यहाँ के लोग करूणाशील हैं?

(ग) अतिथि देवोभव की परम्परा निभाते हों।

(घ) उपर्युक्त सभी । ( )

प्र.3 'हेम कुंभ ले ऊषा सवेरे' में हेम कुम्भ से तात्पर्य है–

(क) सोने का घडा (ख) सूर्य

(ग) पीला कुम्भ (घ) बर्फ का घड़ा ( )

प्र.4 'बरसाती आँखो के बादल' में किस विशेषता को बताया है?

(क) संवेदनशील (ख) कर्त्तव्यनिष्ठ

(ग) न्यायप्रिय (घ) सहिष्णु ( )

प्र.5 लहरे टकराती अनन्त की–पाकर जहाँ किनारा में 'किनारा' से आशय है–

(क) नदी का किनारा (ख) समुद्र का किनारा

(ग) महासागर का किनारा (घ) भारत वर्ष ( )

➢ **<u>लघूत्तरात्मक प्रश्न</u>**

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र . 1 'भोलानाथ' अपने साथियों को देखकर सिसकना (रोना) भूल जाता है, क्या ? ऐसा आपके साथ भी हूआ अपने विचार लिखिए।

प्र . 2 'भोलानाथ' व बाबू जी के प्रेम को अपने विचार से अभिव्यक्त कीजिए

प्र . 3 ''माता का अंचल'' अध्याय में आई आँधी में मित्र–मंडली द्वारा आमों के बगीचे की तरफ जाना और आम चुनना ऐसे पल आपके जीवन में भी आए है, क्या अपने शब्दों में लिखिए।

प्र . 4 '' जब खाएगा बडे–बडे कौर , तब पाएगा दुनिया में ठौर'' उक्त वाक्य में भोलानाथ को माता खाना खिलाते समय क्या–क्या कहते हूए खाना खिलाती है लिखिए।

प्र . 5 'माता का अंचल' अध्याय में आए ऐसे प्रसंगों का वर्णन कीजिए जो आपके दिल को छू गए हो ?

प्र . 6 'माता का अंचल' अध्याय में पात्र भोलानाथ के बचपन की दुनिया किस तरह की है वर्णन कीजिए।

प्र . 7 'माता का अँचल' अध्याय में आए पात्र बैजू जी उद्‌ड्ण्ता का व्यक्त कीजिए।

प्र . 8 'जार्ज पंचल की नाक' लगाना अनिवार्य क्यों था?

प्र . 9 'राजधानी में तहलका मचा हूआ था' प्रसंग जॉर्ज पंचल की नाक अध्याय में से है, बताइये तहलका क्यों मचा हूआ था ?

प्र . 10 मूर्तिकार जॉर्ज पंचल की लाट पर नाक लगाने के लिए कहाँ कहाँ गया लिखिए।

प्र . 11 सभापति ने धीमें से कहा '' लेकिन बडी होश्यिारी से'' किससे व क्यों कहा?

प्र . 12 सुनकर सन हताश हो गए और झुँझलाने लगे। वाक्य में ऐसा क्या हूआ जो सब झुझलाने लगे लिखिए।

प्र . 13 मूर्तिकार गुजरात में किस–किस की मूर्तियों को देख कर आया ?

प्र . 14 यह छोटा सा भाषण फॉरन अखबारों में छप गया ?

प्र . 15 गंतोक की प्रकृति वहाँ के भौगोलिक और जनजीवन, आपके जनजीवन को किस तरह किया है लिखिए?

प्र . 16 यूमथांग की घारियों का वर्णन , जितेन नार्गे ने किस तरह से किया लिखिए।

प्र . 17 'साना–साना हाथ जोड़ि.....' में आए पात्र जितने नार्गे के व्यक्तिव के बारे में लिखिए।

प्र . 18 कटाओ की स्विट्ज़रलैंड से तुजना करने पर मणि ने क्या प्रतिवाद किया ।

प्र . 19 'खेटुम' स्थान का वर्णन अितेन नार्गे ने किस तरह से किया लिखिए।

प्र . 20 'मणि ने अभिमूत हो माथा नवाया–''जाने कितना ऋण हम पर..... मणि के अनुसार लिखिए।

प्र . 21 ''मैडम यह मैदानी नहीं पहाड़ी इलाका है..... यह वाक्य जितेन ने किसे व क्यों कहा?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

➢ अतिलघुरात्तमक

प्र . 1 ग्रामीण अंचल में किस प्रकार के खेल बच्चे खेला करते है।

प्र . 2 सांप के निकलने पर 'भोलानाथ' ने क्या कल्पना की थी।

प्र . 3 जब सांप निकल जाने पर सभी बेतहाशा भागने लगे , फिर क्या परिणाम हुआ।

प्र . 4 शिवश्जन सहाय ने माता के अंचल को क्या उपाधि दी

प्र . 5 सभी बच्चों को कोनसी शरारत करने पर गम्भीर परिणाम भुगतने पड़े

प्र . 6 भोलानाथ के पिता आरे से बनी गोरियों को क्या करते थे।

प्र . 7 'माता का अंचल ' अध्याय में बच्चों ने किसे चिढाया व क्या परिणाम भुगतने पडे

प्र . 8 भोलानाथ का सबसे ज्यादा जुडाव किससे था

प्र . 9 भोलानाथ को माता भोजन कैसे कराती थी

प्र . 10 भोलानाथ व उनकी मण्डली क्या–क्या खेल खेलती ।

प्र . 11 जब चूहे के बिल में पानी डाला तो क्या हुआ ?

प्र . 12 भोलानाथ के पिताजी कुशली लडते समय क्या करते

प्र . 13 ''जॉर्न पंचम की नाक'' में आए 'नाक' शब्द किसका द्योतक है

प्र . 14 राजधानी में तहलका क्यों मचा हूआ था?

प्र . 15 मूर्तिकार की आखों में सहसा चमक क्यों आ गई ?

प्र . 16 मूर्तिकार को जॉर्ज पंचम की नाक से बच्चों की नाक बडी क्यों लगी

प्र . 17 दिल्ली में रंग–रोलन व काया पलट क्यों हो रही थी

प्र . 18 मुर्तिकार पैसों से क्यों लायार था।

प्र . 19 महारानी एलिजोबेन नेपाल व पाक्तिान के दोरे पर क्या क्या पहनेगी कौन परेशान हो रहा था।

प्र . 20 इंगलैण्ड के अखबारों की कतरने भारत में कहाँ लगने लगी व क्यों

प्र . 21 सभापति ने बडे ही गर्व से क्या कहा था।

प्र . 22 जॉर्ज पंचम की नाक के माध्यम से लेखक ने क्या व्यंग्य किया ।

प्र . 23 हिन्दुस्तानी अखबारों में क्या छापा जा रहा था

© JSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र . 24 महारानी भारत में कहा उतरने वाली थी व कितने रुपयों का ड्रेस पहनेगी ?

प्र . 25 कवी–लोंग स्टोक की प्रसिद्व बताइये

प्र . 26 लेखिका मंजु काकंरिया ने माया और छाया का खेल किसे कहा

प्र . 27 मैडम यह मैदानी नहीं पहाडी इलाका है यह किसने किससे कहा ?

प्र . 28 लेखिका ने तिस्ता नदी क`जल को हाथ में क्यों लिया

प्र . 29 गंगटोक की सुन्दरता को लिखो

प्र . 30 सितारों भरी रात लेखिका मंजु काकरिया के मन में क्या भाव भर रही थी

प्र . 31 पहाडी महिलाओं की जीवन शैली किस प्रकार की होती है।

प्र . 32 साना–साना हाथ जोडि में मेरे नगपति मेरे विशाल यह किसने व किसे कहा

प्र . 33 गैगंटॉक से यूमथांग की दूरी कितनी थी

प्र . 34 मेड्म यह धर्म चक्र है। प्रेयर व्हील यह वाक्य किसने किससे कहा

प्र . 35 साना–साना हाथ जोड़ि–गर्दहु प्रार्थना हाम्रो जीवन तिम्रो कौसली का अर्थ लिखिए।

➢ **<u>बहुविकल्पनात्मक प्रश्न</u>**

प्र . 1 'माता का अंचल' अध्याय में कवि (लेखक) को पिता जी किस नाम से पुकारा करते थे?

(क) भोलानाथ (ख) तारकेश्वरनाथ

(ग) शिवपूजन (घ) बाबू ( )

प्र . 2 शिवपूजन सहाय का जन्म कब हुआ है।

(क) सन् – 1893 (ख) सन् – 1993

(ग) सन् – 1793 (घ) सन् – 1963 ( )

प्र . 3 वह हमारे सिर में तेल <u>बोथकर</u> हमें उबटकर ही छोड़ती उक्त वाक्य में आए बोथकर शब्द का सही चयन कीजिए

© ISCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(क) तेल डालकर (ख) बाल गुंथकर
(ग) सरोबार कर देना (घ) बिंदी लगाकर ( )

प्र . 4 शिवपूजन सहाय की मृत्यु कब हुई

(क) 1863 ई. (ख) 1963 ई.
(ग) 1893 ई. (घ) 1763 ई. ( )

प्र . 5 निम्नलिखित में से कोनसी रचना शिवपूजन सहाय की नहीं है।

(क) देहाति दुनिया (ख) ग्राम सुधार
(ग) स्मृतिशेष (घ) ठेले पर हिमालय ( )

प्र . 6 कमलेश्वर का जन्म कब व कहाँ हूआ।

(क) 1934 कोलकाता (ख) 1932 मैनपूरी
(ग) 1911 काशी (घ) 1938 देवरिया ( )

प्र . 7 निम्नलिखित में से कमलेश्वर ने कौनसी पत्रिका का सम्पादन नहीं किया

(क) सारिका (ख) अंघा–युग
(ग) दैनिक काशी (घ) दैनिक भास्कर ( )

प्र . 8 जॉर्ज पंचम की लाट पर आखिर नाक लग गई? यानी कैसी नाक लगाई गई ?

(क) पत्थर की नाक (ख) लकडी की नाक
(ग) जिन्दा नाक (घ) इंग्लैड से लाई गई नाक ( )

प्र . 9 रानी एलिजाबेथ पालम हवाई अड्डे पर कितने हजार का सूट पहनकर उतरेगी ?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

(क) दस हजार (ख) तीन हजार

(ग) आठ हजार (घ) पांच हजार ( )

प्र . 10 बड़ी धूम भी, बडा शोर–शराबा था। शंख इंग्लैण्ड में बज रहा था, मंजू हिन्दूस्थान में आ रही थी ऐसा क्यों हो रहा था ?

(क) जॉर्ज पंचम की नाउ नहीं थी

(ख) रानी एलिजाबेथ द्वितीय भारत आ रही थी ।

(ग) दिल्ली वालों के पास हजारों नाके थी ।

(घ) भारत में बहुत से गिरिजाघर बन रहै थे।

प्र . 11 '' नहीं मै इंडियन हूँ'' उसने जवाब दिया।'' इसमें 'उसने' शब्द किसके लिए आया है?

(क) एक नेपाली युवती (ख) एक सिक्किमी युवती

(ग) एक टूरिस्ट युवती (घ) एक सहयात्री युवती ( )

प्र . 12 'फेरी भेटूला कहते हुए जितने ने जीप चालू कर दी' इसमें फेरी भेटूला का अर्थ होगा–

(क) फिर मिलेंगे (ख) अब चलेंगे

(ग) कब आओगे (घ) कल चलेंगे ( )

प्र . 13 ''गैगटॉक नहीं मैडम गंतोक कहिए। इसका असली नाम गंतोक है। गंतोक का मतलब है पहाड़ .....यह वाक्य किसने कहाँ ?

(क) पहाडी युवती ने (ख) जितेन नार्गे ने

(ग) नेपाली युवतियों ने (घ) मणि ने ( )

प्र . 14 पर सामने ही रकम–रकम के रंग–बिरगें इतने सारे फूल दिखाई पड़े लगा फूलों के बाग में आ गई हूँ , इस वाक्य में आए 'रकम–रकम' शब्दों का भावार्थ क्या होगा?

(क) रंग ही रंग के (ख) तरह–तरह के

(ग) पैसों ही पैसो के (घ) उक्त सभी ( )

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र . 15 उन्हीं रास्तों पर मैनें देखा–एक कुटिया के भीतर घूमता चक्र यह क्या? नार्गे कहने लगा कि–

(क) यह अंधविश्वास है (ख) यह धर्म चक्र है

(ग) यह दिशा–सूचक है (घ) यह पहाड चक्र है ( )

➢ अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

प्र .1 गोपियों ने 'तेल की गगरी' सादृश्य किसे बताया है ?

प्र .2 सूरदास के गुरू का नाम बताइये।

प्र .3 'मन चकरी' से आशय है ?

प्र .4 'अपरस रहत स्नेह तगा तै' से क्या आशय है ?

प्र .5 सूरदास की भक्ति किस प्रकार की मानी जाती है ?

प्र .6 सूरदास के ग्रन्धों के नाम बताइये ।

प्र .7 'मरजाद न लहि' किसके लिए कहा गया है ?

प्र .8 'सूरदास ने कौनसी भाषा मे रचनाएं लिखी हैं ?

प्र .9 सूरदास की गिनती किन कवियों में होती है ?

प्र .10 'अवधि अधार आस आवन की' से क्या आशय है ?

प्र .11 तुलसीदास जी किसके भक्त थे?

प्र .12 'रामचरित मानस' की रचना किसने की ?

प्र .13 तुलसीदास के तीन रचनाओ के नाम लिखिए?

प्र .14 किस कारण से परशुराम क्रोधित हुए थे ?

प्र .15 किसके वचनो को सुनकर परशुराम क्रोधित हो उठे ?

प्र .16 'कुम्बडबतिया' शब्द का प्रयोग किस अर्थ में किया गया है ?

प्र .17 लक्ष्मण कि किन बातो को सुनकर परशुराम ने अपना अपमान महसूस किया ?

प्र .18 विश्वामित्र किसके गुरू थे?

प्र .19 'रिपु' शब्द का क्या अर्थ है ?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र .20 परशुराम जी किससे कुल के घोर शत्रु माने जाते है ?

प्र .21 ''आत्मकथ्य'' काव्यांश में प्रतिकार्य क्या है ?

प्र .22 कवि अपनी दुर्बलता क्यों नहीं फरना चाहता ?

प्र .23 कवि अपनी आत्मकथा क्यों नहीं लिखना चाहता है ?

प्र .24 'धके पथिक की पंथा' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

प्र .25 ''कथा'' से क्या तात्पर्य है ?

प्र .26 '' थकी सोई है मेरी मौन व्यथा'' पंक्ति का आशय है ?

प्र .27 जयशंकर प्रसाद की काव्य–कृतियों के नाम बताइयें।

प्र .28 ''आत्मकथ्य'' कविता सर्वप्रथम कौनसी पत्रिका में प्रकाशित हुई ।

प्र .29 कवि जयशंकर प्रसाद कौनसी काव्य–धारा के प्रमुख कवि माने जाते है ?

प्र .30 प्रसाद जी को आत्मकथा लिखने के लिए किसने आग्रह किया ?

प्र .31 ''उत्साह'' कविता के कवि का नाम बताइये।

प्र .32 अट नहीं रही है कविता के रचयिता कौन है ?

प्र .33 बादल किसका प्रतीक है ?

प्र .34 बादल किसकी प्रेरणा देते है ?

प्र .35 कवि बादल को ''अंनत के घन'' क्यों कहा ?

प्र .36 कवि निराला किस प्रकार के कवि माने जाते हैं ?

प्र .37 कवि ने ''बादलों को ही सम्बोधित क्यों किया ?

प्र .38 फागुण मास में कौनसी ऋतु का आगमन होता है ?

प्र .39 'शोभाश्री' शब्द का क्या अर्थ है ?

प्र .40 कवि निराला का पूरा नाम क्या है ?

प्र .41 'यह दतुंरित मुस्कान' किसके लिए लिखी गई है ?

प्र .42 'पिघल कर जल बन गया होना कठिन पाषाण' से कवि का क्या आशय है ?

प्र .43 कवि नन्हे शिशु को दंतुरित मुस्कान किसके माध्यम से देख पाया ?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र .44 'दंतुरित मुस्कान' से कवि का क्या आशय है ?

प्र .45 कवि ने स्वंय को प्रवासी इतर और अतिथि क्यों कहा है ?

प्र .46 ''फसल'' के विकास में किन–किन का सहयोग रहता है ?

प्र .47 'फसल' काव्यांश में कवि क्या कहना चाहता है ?

प्र .48 प्रकृति किन–किन रूपों में फसलों कों आकार देती है ?

प्र .49 'नागार्जुन' का मूल नाम क्या था ?

प्र .50 नागार्जुन की काव्य– कृतियों के नाम बताइये।

प्र .51 नागार्जुन अपनी मातृभाषा ''मैथिली'' में किस नाम से कविता लिखते थे?

प्र .52 नागार्जुन का स्वभाव किस प्रकार का था?

प्र .53 नागार्जुन किस धर्म में दीक्षित हुये थे ?

प्र .54 ''छाया मत छूना'' का भावार्थ क्या है ?

प्र .55 ''जीवन में है सुरंग सुधिया सुहावनी'' पंक्ति का भााव बताइये।

प्र .56 ''यामिनी '' शब्द का क्या अर्थ बताया गया है ?

प्र .57 कवि ने सासांरिक संमृद्वि के किन–किन रूपों को य़ान्ति कहा है ?

प्र .58 'सरयाया' शब्द का क्या अर्थ है?

प्र .59 ''छाया मत छूना'' कविता से किसे सम्बोधित किया गया है ?

प्र .60 'देहसुखी हो पर मन के दुःख का अन्त नहीं ' से क्या आशय है ?

प्र .61 गिरिजाकुमार माघुर के कार्यक्षेत्र कौन–कौन से रहे?

प्र .62 कविता का संदेश क्या है ? (छायामत छूना)

प्र .63 'कन्यादान' कविता का वर्ण्य विषय क्या है ?

प्र .64 माँ को अपनी बेटी 'अन्तिम पूँजी' क्यो लग रह है ?

प्र .65 कवि ने लडकी को धुँधले प्रकाश की पाठिका क्यों कहाँ है ?

प्र .66 कवि ऋतुराज की काव्य कृतियों के नाम बताइये।

प्र .67 कवि ऋतुराज की कविताओं का विषय मुख्यतया क्या है ?

© IGNOU NOT TO BE REPUBLISHED

प्र .68 'आग रोटियाँ सेकने के लिए है' ऐसा कहने का क्या आशय है ?

प्र .69 ' माँ ने पानी' में झाँककर अपने चेहरे पर रीझना' ऐसा क्यो कहा है?

प्र .70 कन्यादान कविता में वस्त्र और आभूषण को स्त्री के लिए बंधन क्यों माना गया है ?

➢ लघुत्तरात्मक प्रश्न (पद्य)

प्र .1 गोपियों ने उद्धव को अप्रत्यक्ष रूप से क्या समझाया है ?

प्र .2 गोपियों ने अपनी तुलना किससे की है और क्यों ?

प्र .3 '' मन की मन मे ही माझ रही'' गोपियो ने ऐसा क्यो कहा ?

प्र .4 गोपिया अब धेर्य क्यो नही रख पा रही है?

प्र .5 गोपियाँ कृष्ण को हारिल की लकडी क्यों कहती है ?

प्र .6 गापियँा योग का सन्देश उद्धव से किन्हे देने के लिए कहती है और क्यों ?

प्र .7 'राम–लक्ष्मण–परशुराम संवाद' पाठ में क्या संदेश दिया है?

प्र .8 परशुराम ने लक्ष्मण के बारे में विश्वामित्र से क्या–क्या कहा?

प्र .9 सभा में हाहाकार क्यों मच गया था?

प्र .10 'अहो मुनीसु महाभट्ट मानी ' मे निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए–

प्र .11 परशुराम ने राम की विनयपूर्ण बातो का क्या जवाब दिया और क्यों ?

प्र .12 परशुराम ने राम की विनयपूर्ण बातो का क्या जवाब दिया और क्यों ?

प्र .13 'आत्मकथ्य' कविता में कवि प्रसाद ने महान कवि की विनम्रता किस प्रकार व्यक्त की है?

प्र .14 'मुरझा कर गिर रही पत्तियों'' क्या संदेश देती है?

प्र .15 कवि अपनी आत्मकथा क्यों नही लिखना चाहता ?

प्र .16 'देखो , यह रीती। गागर रीती से कवि का आशय है?

प्र .17 कवि अपनी सरलता की हँसी उडाने से क्यों बचना चाहता है?

प्र .18 ''आत्मकथ्य'' कविता का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए–

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र .19 स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है–

प्र .20 'उत्साह' कविता का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए–

प्र .21 कविता मे बादल किन–किन अर्थो की ओर संकेत करता है ?

प्र .22 कवि की आँख फागुन की सुन्दरता से क्यों नही हट रही है ?

प्र .23 'अट नहीं रही है' कविता के भावार्थ को अपने शब्दों में लिखिए।

प्र .24 बच्चे की दंतुरित मुस्कान का कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

प्र .25 'झोंपडी में खिल रहे जलजात' का आशय स्पष्ट कीजिए–

प्र .26 शिशु के धूल–धूसरित अंगो को देखकर कवि क्या कल्पना करता है ?

प्र .27 'फसल' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए?

प्र .28 'फसल ' कविता से कवि हमें क्या संदेश देना चाहता है ?

प्र .29 'यह दंतुरित मुस्कान' कविता का प्रतिवाद्य लिखिए?

प्र .30 'छाया मत छूना' कविता में क्या संदेश दिया है ?

प्र .31 कवि ने छाया को छूने के लिए क्यों मना किया है ?

प्र .32 'हर चन्द्रिका में छिपी रात एक कुष्णा है ' कवि ने किस ओर संकेत किया?

प्र .33 'छाया मत छूना' कविता में कवि ने किन जीवन मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी है?

प्र .34 माँ ने ऐसा क्यो कहा कि लडकी होना पर लडकी जैसा दिखाई मत देना?

प्र .35 कन्यादान कविता का संदेश स्पष्ट कीजिए–

प्र .36 'कन्यादान' कविता में माँ की मूल चिंता क्या है ?

प्र .37 'कन्यादान' कविता में बेटी को 'अन्तिम पूँजी' क्यों कहा गया है ?

प्र .38 'अपने चेहरे पर मत रीझना' पक्ति में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए–

प्र .39 'कन्यादान' कविता में लडकी को धुँधले प्रकाश की पाठिका क्यों कहा ?

प्र .40 'कन्यादान' कविता के भावार्थ को अपने शब्दों में लिखिए–

- **<u>अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न</u>**

प्र .1 स्वय प्रकाश की कोई दो रचनाओं के नाम लिखो

© IESCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र .2 ' नेताजी का चश्मा ' कहानी के कहानीकार का नाम लिखिए

प्र .3 हालदार साहब कम्पनी के काम से कितने दिन में कस्बे से गुजरते थे।

प्र .4 नेताजी की मूर्ति किसकी बनी हूई थी?

प्र .5 नेताजी की मूर्ति बनाने वाले मूर्तिकार का क्या नाम था।

प्र .6 नेताजी की मूर्ति को चश्मा कौन लगाता था व बदल देता था

प्र .7 हालदार साहब को क्या अच्छा नहीं लगा

प्र .8 हालदार साहब कितने साल तक उस कस्बे से गुजरते रहै

प्र .9 साहब! केप्टन मर गया यह वाक्य किसने किससे कहा?

प्र .10 हालदार साहब भावुक क्यों हो गए ?

प्र .11 रामवृक्ष बेनीपुरी का जन्म व मृत्यु लिखिए

प्र .12 रामवृक्ष बेनीपुरी की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखो

प्र .13 'बाल गोबिन भगत' रेखाचित्र के लेखक का नाम लिखिए

प्र .14 बालगोबिन भगत की उम्र लिखिए

प्र .15 तेरी गठरी में लागा चौर मुसाफिर जाग जरा । यह किसके गया ?

प्र .16 बालगोबिन भगत के कितने पूत्र–पूत्रियाँ थी ?

प्र .17 बेटे के श्राद्व अवधि पूरी होने पर बाल गोबिन ने पतोहु से क्या कहाँ

प्र .18 बालगोबिन भगत मस्तक पर हमेशा क्या लगाते थे।

प्र .19 रोपनी करने वालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम से क्यों चलने लगती ?

प्र .20 भगत जी की प्रभातियाँ कब शुरू हो जाती थी

प्र .21 लेखक यशपाल किस धारा से जुडाव के कारण जेल गए?

प्र .22 यशपाल का जेल में किससे परिचय हुआ?

प्र .23 लेखक रेलगाडी में किस डिब्बें में क्या सोच कर चढ़े थे?

प्र .24 लेखक को नवाब को कौनसा बदला हुआ भाव अच्छा नहीं लगा ?

प्र .25 लेखक ने खीरा खाने से मना क्यों किया ?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र .26 नवाब ने आम आदमियों कि तरह खीरा क्यों नही खाया ?

प्र .27 लेखक ने नयी कहानी का लेखक किसे कहा?

प्र .28 लेखक ने नयी कहानी पर किस भावना को व्यक्त किया ?

प्र .29 लेखक(यशपाल) के अनुसार नयी कहानी के लेखक किस प्रकार के है?

प्र .30 कैसे कह सकते है कि नवाब साहब आम इंसान नहीं थे ?

प्र .31 ' एक कहानी यह भी ' किसके द्वारा लिखा गया आत्मकथ्य है ?

प्र .32 मन्नू भण्डारी का जन्म कहाँ हुआ था ?

प्र .33 मन्नू भण्डारी ने अपने विद्यार्थी जीवन में किस तरह के क्रार्यक्रमों में भाग लिया ?

प्र .34 लेखिका के पिताजी ने कौन–से शब्द कोश की रचना की ?

प्र .35 लेखिका (मन्नू भण्डारी) बचपन में कैसी दिखती थी ?

प्र .36 लेखिका के पिताजी का स्वभाव कैसा था ?

प्र .37 ' भाग्नावेशषो को ढोते पिता ' पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

प्र .38 लेखिका के पिता का शक्की होना किस कारण से हुआ ?

प्र .39 लेखिका को साहित्यिक दुनिया से किसने परिचय करवाया ?

प्र .40 लेखिका को वर्तमान में कैसा जीवन प्रंसद नही था ?

प्र .41 शहनाई की दूनिया में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है ?

प्र .42 सुषिर–वाद्यों से क्या अभिप्राय है ?

प्र .43 ' नौबतखाने मे इबादत' से क्या तात्पर्य हे ?

प्र .44 बिस्मिल्ला खाँ साहब के बचपन का क्या नाम था ?

प्र .45 'डुमराव ' गाँव इतिहास में किन कारणो से प्रसिद्व है ?

प्र .46 काशी का एक और किस नाम से जाना जाता है ?

प्र .47 बिस्मिल्ला खाँ को कौन– कौन से पुरस्कार से नवाजा गया ?

प्र .48 खाँ साहब की महत्वपूर्ण जिजीविषा क्या थी ?

प्र .49 काशी की किस प्रकृति को देखकर खाँ साहब को दुःख होता था ?

© NCERT not to be republished

प्र .50 बिस्मिल्ला खाँ साहब और एक मुस्लिम पर्व का नाम साथ जुडा हुआ है , वह कौनसी है ?

- **<u>लघुत्तरात्मक प्रश्न (गद्य)</u>**

प्र .1 सेनानी न होते हुए भी चश्मे वाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे ?

प्र .2 हालदार साइन मूर्ति के बारे में सोचते–सोचते किस पर पहुँचे ?

प्र .3 'नेताजी का चश्मा' कहानी में निहित देश–भक्ति के सन्देश को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए ?

प्र .4 हालदार मूर्ति के बारे में सोचते–सोचते किस निष्कर्ष पर पहुँचे ?

प्र .5 पान वाला कैप्टन चश्मे वाले के प्रति कैसी सोच रखता है ?

प्र .6 कुछ दिनों तक नेताजी की मूर्ति बिना चश्में के क्यों रही?

प्र .7 ''बालगोविन भगत '' पाठ से हमे क्या संदेश मिलता है ?

प्र .8 लेखक बालगोविन के किस गुण पर मुग्ध था ?

प्र .9 बालगोविन भगत के संगीत को लेखक ने जादू क्यों कहा है ?

प्र .10 बालगोविन भगत का मृत्यु के प्रति क्या दृष्टिकोण था ?

प्र .11 बालगोविन भगत की संगीत साधना का चरम उत्कर्ष किस दिन देखा गया ?

प्र .12 बालगोविन भगत के गीत सबको क्यों चौंका देते थे ?

प्र .13 'लखनवी अंदाज' पाठ के आधार पर नवाब साहब के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए।

प्र .14 नवाब साहब ने खीरे को खाने योग्य किस प्रकार बनाया ?

प्र .15 'लखनवी अंदाज ' कहानी से हमे क्या संदेश मिलता है ?

प्र .16 'ये हैं नयी कहनी के लेखक' कथन में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

प्र .17 मन्नू भण्डारी के पिताजी के स्वभाव की क्या विशेषताएँ थी ?

प्र .18 'एक कहानी यह भी' आपके क्या संदेश देती है?

प्र .19 किन कारणों से लेखिका के मन में हीनता की भावना घर कर गई थी?

प्र .20 प्रो. शीला अग्रवाल की जोशीली बातों का लेखिका पर क्या प्रभाव पडा ?

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

प्र .21 मन्नू भण्डारी किसके सहयोग से जागरूक नागरिक बन पायी ?

प्र .22 उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ की काशी को क्या देन है ?

प्र .23 बिस्मिल्ला खाँ को संगीत की आरम्भिक प्रेरणा किनसे मिली ?

प्र .24 'नौबतखाने खाँ को क्या विश्वास था ?

➢ विज्ञापन

प्र .1 आप एक योग प्रशिक्षण केन्द्र खोलना चाहते हैं इस सम्बंध में युवाओं को आकर्षित करने वाला 30–40 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए–

प्र .2 आपके विद्यालय में ग्रीष्मावकाश में निःशुल्क कम्प्यूटर शिक्षण की व्यवस्था की गई है? इस विषय में प्रधानाचार्य की ओर से 25–50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए?

प्र .3 किसी दैनिक समाचार–पत्र में प्रकाशित करने के लिए विज्ञापन का एक प्रारूप तैयार कीजिए, जिसमें कुछ आवश्यक आवश्यक वस्तुएँ मार्ग में गिर जाने और खाने पाने का उल्लेख हो।

प्र .4 रेडक्रास सोसायटी की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्बंध में सोसायटी की और से एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

प्र .5 यातायात अथवा परिवहन अधिकारी की और से सड़क पर वाहन सावधानी से चलाने का एक सार्वजनिक विज्ञापन 25–50 शब्दों में लिखिए।

प्र .6 अपने ग्राम–प्रधान की ओर से स्वच्छता महाअभियान में सभी ग्रामवासियों को सम्मिलित होने के लिए ध्यानार्थ एक विज्ञापन 25–50 शब्दों में तैयार कीजिए–

प्र .7 पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढाने के लिए लगभग 40–50 शब्दों का एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

प्र .8 आपके शहर में विश्व पुस्तक मेले का आयोजन होने जा रहा है , इसके लिए 25–50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

प्र .9 आपके पिताजी अपनी पुरानी कार बेचना चाहते है। इसके लिए पूरा विवरण देते हुए एक विज्ञापन का आलेख लगभग 30–40 शब्दों में तैयार कीजिए।

प्र .10 आपके शहर में गणतंत्र दिवस वर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है इसके लिए 25–50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

प्र .11 अपनी संस्था की ओर से नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाए देने हेतु 25–50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

प्र .12 स्वास्थ्य विभाग की ओर से डेंगू रोग के नियन्त्रण हेतु चेतावनी सम्बधी एक विज्ञापन 25–50 शब्दों में लिखिए।

प्र .13 आधुनिक सुविधाओ से सुसज्जित घर किराये पर देने के लिए विज्ञापन 25–50 शब्दों में लिखिए।

प्र .14 एक पेन बनाने वाली कम्पनी के लिए 25–50 शब्दों में विज्ञापन लिखिए।

प्र .15 कोचिंग सेन्टर में छात्रो को प्रवेश लेने हेतु आकर्षित करते हुए एक आकर्षक विज्ञापन 25–50 शब्दों में तैयार कीजिए।

© NCERT NOT TO BE REPUBLISHED

लेखन विकास समूह

डॉ. मनोज गुप्ता, प्रधानाचार्य, राउमावि, पीपलकी, सिकराय, दौसा

दिलीप कुमार नागोरी, व्याख्याता, महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय वल्लभनगर, उदयपुर

अमृतलाल डांगी, वरिष्ठ अध्यापक राउमावि नठारा, सराड़ा, उदयपुर

राजन बाबू, राउप्रावि ननाणा, आमेट, राजसमंद

कांतिलाल पालीवाल, अध्यापक, राउमावि डांग, कोटड़ा, उदयपुर

© RSCERT NOT TO BE REPUBLISHED

तकनीकी समन्वयक

श्री हेमंत आमेटा
प्राध्यापक
(राजकीय सिन्धी भाषाई उमावि, प्रतापनगर, उदयपुर)

श्री ललित पटेल
प्र. स.
(राउमावि सरु, गिर्वा, उदयपुर)

"आपकी सजगता, बच्चे की सुरक्षा"

बाल अधिकारिता विभाग राजस्थान सरकार

20/198, सेक्टर-2, कावेरी पथ, के.एल. सैनी स्टेडियम के पास मानसरोवर, जयपुर फोन : 0141-2399335
Email : ccosjerajasthan@gmail.com, dcr@rajasthan.gov.in • Website : www.dcrraj.in

आओ ! कुछ अच्छा सोचें, कुछ अच्छा करें।
खुद को ..., अपनी अच्छी सोच को ... आसमान छूने दें !

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

111, सहेली मार्ग उदयपुर (राजस्थान) 313001

एवं

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्

शिक्षा संकुल, जयपुर (राजस्थान) 302001